PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक

भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो व्यक्ति रिश्तों की जड़ों को सींचता है, वही जीवन के हर तूफ़ान में मजबूती से खड़ा रहता है।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-58 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 17 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

मजबूत जड़ें, अडिग परिवार : जीवन की हर चुनौती का आधार

परिवार समाज की सबसे छोटी लेकिन सबसे सशक्त इकाई है। जिस प्रकार किसी वृक्ष की मजबूती उसकी ऊँचाई या फैलाव से नहीं, बल्कि उसकी जड़ों की गहराई और मजबूती से आंकी जाती है, उसी प्रकार किसी परिवार की वास्तविक शक्ति उसकी बाहरी संपन्नता में नहीं, बल्कि उसके मूल्यों, संस्कारों और आपसी समझ में निहित होती है। जिन परिवारों की जड़ें मजबूत होती हैं, वे समय के हर तूफान में चट्टान की तरह खड़े रहते हैं और न केवल स्वयं को बचाते हैं, बल्कि अपने सदस्यों को भी सुरक्षा, संबल और दिशा प्रदान करते हैं। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगी कि बोलता है।

आज के भौतिकवादी युग में सफलता को अक्सर धन, पद और सुविधाओं से जोड़ा जाता है। लोग यह मान लेते हैं कि बड़ा घर, महंगी गाड़ियाँ और बैंक बैलेंस ही जीवन की स्थिरता की गारंटी हैं। लेकिन इतिहास और वर्तमान दोनों ही इसके साक्षी हैं कि भौतिक संपत्तियाँ क्षणभंगुर होती हैं। आर्थिक संकट, बीमारी, सामाजिक अस्थिरता या व्यक्तिगत असफलता के समय वही परिवार टिक पाते हैं, जिनकी नींव आपसी प्रेम, विश्वास और त्याग पर टिकी होती है। संकट की घड़ी में धन साथ छोड़ सकता है, लेकिन परिवार का भावनात्मक सहारा मनुष्य को टूटने नहीं देता। मजबूत पारिवारिक जड़ों का अर्थ है–एक-दूसरे को समझना, स्वीकार करना और सहारा देना। ऐसे परिवारों में मतभेद होते हुए भी मनभेद नहीं पनपते। संवाद की परंपरा होती है, जहाँ हर सदस्य अपनी बात कह सकता है और सुना जाता है। यही संवाद धीरे-धीरे विश्वास में बदलता है और विश्वास से जन्म लेती है वह सामूहिक शक्ति, जो कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी परिवार को बिखरने नहीं देती। जब परिवार एकजुट होता है, तो हर समस्या आधी रह जाती है। संस्कारों की भूमिका भी यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण है। संस्कार केवल परंपराओं का बोझ नहीं होते, बल्कि वे जीवन जीने की दिशा देते हैं। बड़ों का सम्मान, छोटों के प्रति स्नेह, त्याग, सहनशीलता और जिम्मेदारी जैसे मूल्य परिवार को भीतर से मजबूत बनाते हैं। जिन बच्चों का पालन-पोषण ऐसे वातावरण में होता है, वे जीवन की चुनौतियों से डरते नहीं, बल्कि उनका सामना आत्मविश्वास के साथ करते हैं। परिवार ही पहला विद्यालय है, जहाँ से व्यक्ति का चरित्र और व्यक्तित्व गढ़ा जाता है।

आज जब एकल परिवारों की संख्या बढ़ रही है और संयुक्त परिवारों का स्वरूप सिमटता जा रहा है, तब पारिवारिक जड़ों की मजबूती और भी अधिक आवश्यक हो गई है। आधुनिक जीवन की तेज रफ्तार, प्रतिस्पर्धा और तकनीकी व्यस्तता ने रिश्तों के बीच दूरी बढ़ा दी है। परिवार के सदस्य एक ही छत के नीचे रहते हुए भी एक-दूसरे से भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि हम समय रहते अपने संबंधों को सींचें नहीं, तो ये जड़ें कमजोर हो सकती हैं और पहला ही तूफान परिवार को हिला सकता है। मजबूत परिवार केवल संकट झेलने की क्षमता ही नहीं देते, बल्कि वे व्यक्ति के संपूर्ण विकास में भी सहायक होते हैं। भावनात्मक सुरक्षा मिलने से व्यक्ति रचनात्मक बनता है, निर्णय लेने में सक्षम होता है और समाज में सकारात्मक भूमिका निभाता है। ऐसा परिवार अपने सदस्यों को केवल 'जीवित' रहना नहीं सिखाता, बल्कि 'सार्थक' जीवन जीने की प्रेरणा देता है। एक मजबूत परिवार से निकला व्यक्ति समाज को भी मजबूत बनाता है।

यह भी सच है कि परिवार की मजबूती किसी एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं होती। यह सामूहिक प्रयास का परिणाम है। माता-पिता का दायित्व है कि वे बच्चों को केवल सुविधाएँ ही न दें, बल्कि समय, संस्कार और मार्गदर्शन भी दें। वहीं बच्चों की भी जिम्मेदारी है कि वे बड़ों के अनुभव का सम्मान करें और परिवार की एकता को बनाए रखें। जब हर सदस्य 'मैं' से ऊपर उठकर 'हम' की भावना अपनाता है, तभी परिवार वास्तव में मजबूत बनता है। अंततः कहा जा सकता है कि मजबूत पारिवारिक जड़ें जीवन की सबसे बड़ी पूंजी हैं। यह वह स्थायी धन है, जो न तो बाजार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है और न ही समय की मार से समाप्त होता है। जिस परिवार में एकता, प्रेम, त्याग और आपसी सहयोग होता है, वही परिवार हर चुनौती का सामना कर सकता है। ऐसे परिवार न केवल स्वयं अडिग रहते हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र को भी स्थिरता और मजबूती प्रदान करते हैं। इसलिए आज की सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि हम अपनी पारिवारिक जड़ों को पहचानें, उन्हें सींचें और आने वाली पीढ़ियों के लिए उन्हें और मजबूत बनाएं।

गहलोत बोले- मेरे निर्वाचन क्षेत्र में भी नाम काटे: अफसर नहीं भूलें सरकारें आती-जाती रहेंगी

गलत किया तो कार्रवाई होगी, BJP ने वोटर-लिस्ट में गड़बड़ी की

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने एसआईआर के तहत दावे और आपत्तियां दर्ज करवाने के आखिरी दिन बीजेपी पर फर्जीवाड़ा करने का आरोप लगाते हुए तंज कसा है। गहलोत ने भाजपा के इशारे पर वोटर लिस्ट में गलत तरीके से नाम काटने और जोड़ने का आरोप लगाते हुए अफसरों को चेतावनी दी है। गहलोत ने एक्स पर लिखा कि भाजपा ने ऐसा दुस्साहस कर जनता और लोकतंत्र का अपमान किया है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र सरदारपुरा तक में ऐसा कुप्रयास किया गया है। मैंने राज्य निर्वाचन आयुक्त नवीन महाजन से फोन पर बात कर इस संबंध में जानकारी दी है और जल्द कार्रवाई की मांग की है।

आज का दिन काले अध्याय जैसा

गहलोत ने एक्स पर लिखा- आज का दिन राजस्थान में लोकतंत्र के लिए एक काले अध्याय जैसा है, जिसने भाजपा को बेनकाब कर दिया है। सत्ता के मद में चूर भाजपा सरकार ने प्रशासन का दुरुपयोग कर मतदाता सूचियों में हेराफेरी का जो षड्यंत्र रचा है, वह शर्मनाक है। गहलोत ने लिखा- स्ङ्ग प्रक्रिया के अंतिम दिन, एक सुनियोजित साजिश के तहत EROs के माध्यम से BLOs पर दबाव डाला गया कि वे कांग्रेस विचारधारा वाले मतदाताओं के नाम काटें। यहां तक कि फॉर्म-7 में पहले से डेटा भरकर BLOs को थमाया गया, जो सीधे तौर पर निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर हमला है।

कई जगहों पर प्रशासनिक अधिकारियों और BLOs ने इस लोकतंत्र की हत्या में शामिल होने से इनकार किया तो उन्हें सत्ताधारी पार्टी के लोगों ने तबादलों की धमकी दी है।

अफसर मर्यादा का पालन करें अन्यथा कार्रवाई होगी

गहलोत ने लिखा- मैं उन अधिकारियों को भी स्पष्ट शब्दों में आगाह करना चाहता हूं, जो भाजपा के दबाव में संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं, समय बदलते देर नहीं लगती। सरकारें आती-जाती रहेंगी, लेकिन अगर आपने नियम विरुद्ध कार्य किया, तो कानून के दायरे में आपकी जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी और सख्त कार्रवाई होगी। संवैधानिक मर्यादा का पालन करें, अन्यथा परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें।

खर्च का ब्योरा नहीं देने वाले चुनाव नहीं लड़ सकेंगे

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । पिछले पंचायत चुनाव में खर्चे का ब्योरा नहीं देने वाले पंच-सरपंचों के दोबारा चुनाव लड़ने पर रोक लग सकती है। राज्य चुनाव आयोग ऐसे प्रत्याशियों की सूची मंगाने के लिए जल्द ही जिला कलेक्टरों के दिशा-निर्देश जारी कर सकता है। आयोग के नियमों के अनुसार, चुनाव लड़ने वाले सभी प्रत्याशियों को खर्च का विवरण देना अनिवार्य है। ऐसा नहीं करने पर 3 साल तक चुनाव लड़ने पर रोक लगाई जा सकती है। प्रदेश में मार्च-अप्रैल में पंचायती राज चुनाव प्रस्तावित हैं। हाल ही में आयोग ने चुनावी खर्च सीमा बढ़ाई भी थी।

अरुण सिंह बोले- कांग्रेस को राम नाम से आपत्ति:

मालवीय पर कहा- एकाध नेता चला गया तो क्या फर्क पड़ता है?

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने कांग्रेस पर मनरेगा पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए पलटवार किया। अरुण सिंह ने कहा- मनरेगा में सुधार करके उसे वीबी जीराम-जी किया है। इससे अब ज्यादा दिन तक रोजगार मिलेगा, लेकिन कांग्रेस भ्रम फैला रही है। उन्होंने कहा- कांग्रेस को राम नाम से पता नहीं क्यों आपत्ति है? वहीं पूर्व मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय के भाजपा छोड़ने और कई अन्य नेताओं के भी वापस कांग्रेस जॉइन करने के सवाल पर अरुण सिंह ने कहा- एकाध नेता चला गया तो क्या फर्क पड़ने वाला है? भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है। यहां आने वालों की संख्या ज्यादा है और जाने वालों की बहुत कम। कुछ लोगों की अलग तरह की महत्वाकांक्षाएं होती हैं, इसलिए चले जाते हैं। अरुण सिंह भाजपा प्रदेश मुख्यालय में शुक्रवार को मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

कहा- कांग्रेस मनरेगा बंद करने का भ्रम फैला रही, अब 125 दिन का रोजगार मिलेगा अरुण सिंह ने कहा- कांग्रेस मनरेगा को बंद करने का भ्रम फैला रही है, जबकि सच यह है कि उसकी कमियों को दूर कर नया कानून बनाया गया है। मनरेगा में कांग्रेस जो गड्ढे भरती थी। पेपर में उनके काले कारनामे छपते थे। भरे हुए गड?ढों की नाप-जोख किया जाए तो एक विधानसभा के क्षेत्रफल से ज्यादा गड़?ढे भरने का काम हो जाएगा। जो भ्रष्टाचार का जीता जागता प्रमाण है। अब गांव के गरीब मजदूर को 100 की बजास 125 दिन का रोजगार मिलेगा। 15 दिन में काम नहीं मिलने पर बेरोजगारी भत्ते का भुगतान होगा और जवाबदेही सुनिश्चित होगी।

कांग्रेस राज में पेपरलीक होते थे, हर परीक्षा में नेटबंदी होती थी

अरुण सिंह ने कहा- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार लगातार जनहितैषी कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री मेहनती और परिश्रमी व्यक्ति हैं, कार्यकर्ता के भाव से काम कर रहे हैं। यही कारण है कि प्रदेश में अब न तो पेपरलीक हो रहा है। ना ही परीक्षा के दौरान नेटबंदी की जा रही है। न ही चलती बस में परीक्षा के पेपर हल करवाए जा रहे हैं, जो कांग्रेस की पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में राजस्थान की पहचान बन गया था। अब राजस्थान में पारदर्शी तरीके से परीक्षाएं भी हो रही हैं, समय पर परिणाम भी आ रहे हैं और युवाओं को रोजगार भी मिल रहा है।

स्कूलों में अनुपयोगी सामान काम में लेने व ऑनलाइन पुस्तकें देने के लिए विद्यार्थियों ने बनाई दो वेबसाइट

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । लोहिया कॉलेज में संचालित आई स्टार्ट इन्क्यूबेशन सेंटर में नेशनल स्टार्ट-अप डे पर शुक्रवार को लाइब्रेरी मैनेजमेंट और आरआरआर सेंटर प्रबंधन वेबसाइट लॉन्च हुई। इसे कोड चूरू से जुड़े स्कूली विद्यार्थियों ने बनाया है। कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि युवा तकनीकी, कौशल और उद्यमिता को बढ़ावा देते हुए नौकरी देने वाले बनें और इसे नवाचार और तकनीक के सही उपयोग से साकार किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को निरंतर सीखने, प्रयोग करने और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। सीडीईओ संतोष कुमार महर्षि ने जिले में कोड चूरू कार्यक्रम व आरआरआर सेंटर की क्रियान्विति के संबंध में जानकारी दी। सेंटर के मेंटर जमील खान ने स्टार्ट-अप को लेकर प्रजेंटेशन दिया।

नर्सिंग संघर्ष समिति ने किया लिखित परीक्षा का विरोध: मेरिट-बोनस अंकों से भर्ती और बजट में पद सृजन की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज

चौमूं । चौमूं में नर्सिंग संघर्ष समिति 2025 के सदस्यों ने अपनी मांगों को लेकर पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रवक्ता रामलाल शर्मा से मुलाकात की। इस दौरान नर्सिंग कर्मियों ने भर्ती प्रक्रिया में लिखित परीक्षा का विरोध करते हुए मेरिट प्लस बोनस के आधार पर नियुक्ति की मांग रखी। नर्सिंग कर्मियों का कहना है कि वे पिछले 7 से 8 वर्षों से मात्र 7000 रुपए मानदेय पर सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उनके अनुभव का लाभ नहीं मिल रहा है। समिति ने आरोप लगाया कि वर्तमान व्यवस्था से कोचिंग माफिया को फायदा हो रहा है और वर्षों से काम कर रहे अनुभवी नर्सिंग कर्मियों के साथ अन्याय हो रहा है।

संघर्ष समिति ने आगामी बजट सत्र से बड़ी उम्मीद जताते हुए 12 हजार नर्सिंग और 7 हजार एएनएम पदों के सृजन की मांग रखी। साथ ही, संविदा पर कार्यरत नर्सिंग कर्मियों को बोनस अंक देकर स्थायी करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने नर्सिंग कर्मियों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को बजट सत्र में सरकार के सामने मजबूती से रखा जाएगा। इस मुलाकात के बाद नर्सिंग कर्मियों में बजट से ठोस निर्णय की उम्मीद जगी है। इस अवसर पर सुनील कुमार सैनी, दीपक बागड़ा, पवन चोपड़ा, विजेंद्र यादव, बाबूलाल कुमावत, कन्हैयालाल सैनी, जेपी शर्मा, शंकर यादव, अंकित शेरावत और शिवराज सहित कई नर्सिंग कर्मी मौजूद रहे।

राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत ने ज्ञापन देकर शिक्षकों के साथ सोतला व्यवहार व अन्याय का लगाया आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़

राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत उपशाखा लक्ष्मनगढ ने मुख्यमंत्री के नाम मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन देकर शिक्षा विभाग में स्थानांतरण नीति लागू कर शिक्षकों के साथ न्याय करने की मांग की है। ज्ञापन में लिखा कि बोर्ड परीक्षाएं बहुत नजदीक तथा प्रायोगिक परीक्षाएं चल रही है ऐसे में बड़ी संख्या में व्याख्याताओं के तबादले कर शिक्षा विभाग में अफरातफरी का माहौल पैदा किया गया है। ज्ञापन में बताया कि

स्थानांतरण सूचियां बयां कर रही है कि शिक्षकों के साथ बदले की भावना से कार्य किया है तथा शिक्षकों के साथ सोतला व्यवहार व अन्याय किया जा रहा है। तथा शैक्षिक ढांचा कमजोर हो रहा है जिससे शिक्षकों में भारी असंतोष है। ज्ञापन में पारदर्शी स्थाई स्थानांतरण नीति लागू करने की मांग की है। तथा ऐसा नहीं करने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

एफर्ट्स संस्था को मिला अब तक का सबसे बड़ा सहयोग, डॉ. मनोज सरोवा ने दिए 1.10 लाख रुपये

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

झुंझुनूं जिले में अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए कार्यरत सामाजिक संस्था एफर्ट्स को एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक सहयोग प्राप्त हुआ है। जयपुर के प्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. मनोज सरोवा ने संस्था को 1,10,000 (एक लाख दस हजार रुपये) का एकमुश्त सहयोग प्रदान किया, जो अब तक एफर्ट्स को मिला सबसे बड़ा व्यक्तिगत सहयोग माना जा रहा है। एफर्ट्स कोर कमेटी सदस्य सीताराम बास बुडाना ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सहयोग डॉ. मनोज सरोवा, जो कि भंडारी हॉस्पिटल, जयपुर में चीफ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट हैं, तथा उनकी पत्नी डॉ. आशु कायल, जो कि मैट्रिक्स हॉस्पिटल, जयपुर में सीनियर डर्मेटोलॉजिस्ट एवं कॉस्मेटोलॉजिस्ट हैं, द्वारा अपनी सुपुत्री मिराली सरोवा के जन्मदिन के पावन अवसर पर प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि डॉ. मनोज सरोवा, एफर्ट्स कोर कमेटी सदस्य डॉ. महेश सरोवा के बड़े भाई हैं और समाज में अपनी सेवाभावना, उदारता और सामाजिक दायित्व के लिए विशेष पहचान रखते हैं। बेटी के जन्मदिन को समाजसेवा से जोड़ते हुए उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत संस्था एफर्ट्स को यह अतुलनीय सहयोग प्रदान कर एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

एफर्ट्स संस्था लंबे समय से झुंझुनूं जिले में अनुसूचित जाति वर्ग के जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा, मार्गदर्शन और संसाधन उपलब्ध कराने के लिए सतत प्रयास कर रही है। इस आर्थिक सहयोग से संस्था को छात्रवृत्ति, अध्ययन सामग्री, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों को और अधिक मजबूती से संचालित करने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर एफर्ट्स कोर कमेटी के सदस्यों एवं एफर्ट्स परिवार ने दूरभाष के माध्यम से बेटी मिराली सरोवा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं तथा डॉ. मनोज सरोवा और डॉ. आशु कायल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और निरंतर समाजसेवा की कामना की। एफर्ट्स परिवार ने कहा कि ऐसे सहयोग समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ-साथ अन्य लोगों को भी शिक्षा और सामाजिक उत्थान के लिए आगे आने की प्रेरणा देते हैं।

स्थानीय संघ के पूर्व प्रधान अग्रवाल की प्रथम पुण्यतिथि पर हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पलसाना।

पवन कुमार शर्मा । महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ पलसाना के पूर्व प्रधान मालीराम अग्रवाल की प्रथम पुण्यतिथि पर विभिन्न कार्यक्रम हुए। सरपंच रूपसिंह शेखावत के मुख्य आतिथ्य में शुक्रवार प्रात 10:00 बजे विद्यालय परिसर में स्व मालीराम अग्रवाल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रिंसिपल सीताराम बावरिया ने की। वक्ताओं ने अग्रवाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। विद्यालय के बच्चों को अल्पाहार कराया गया। वही जनता गौशाला में गायों को गुड़ व हरा चारा खिलाया गया तथा गोबर से लकड़ी बनने की मशीन भी भेंट की गई। इस अवसर पर ओमप्रकाश अग्रवाल, राधेश्याम अग्रवाल, शंकर लाल चोटिया, सुभाषचंद्र, बजरंग लाल, रामगोपाल, संजय कुमार, पवन कुमार, महेंद्र कुमार अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

10वीं और 12वीं करने के बाद सही स्ट्रीम का चुनाव बेहद जरूरी

10वीं पास करने के बाद अक्सर कैंडिडेट आगे की पढ़ाई किस स्ट्रीम से करें इसके लिए परेशान रहते हैं। कई बार छात्र दसवीं और बारहवीं करने के बाद सिविल सर्विस की तैयारी करने का सोचते हैं ताकि वह अपने करियर को बेहतर बना सके। ऐसे में 10वीं और 12वीं करने के बाद सही स्ट्रीम का चुनाव करना बेहद जरूरी हो जाता है। हालांकि किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के लिए किसी पर्टिकुलर स्ट्रीम की आवश्यकता नहीं होती है।

अगर बात करें मुख्य रूप से सिविल सर्विस तैयारी की आप किसी भी स्ट्रीम को चुनकर भविष्य में आईएएस, आईपीएस अधिकारी बन सकते हैं। लेकिन कुछ स्ट्रीम के सब्जेक्ट ऐसे होते हैं जिसे पढ़कर भविष्य के करियर को मजबूत कर सकते हैं। इस लेख में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप अगर केवल आईएएस और आईपीएस की तैयारी कर रहे हैं तो कौन सी स्ट्रीम बेस्ट साबित हो सकती हैं।

साइंस स्ट्रीम को करें सेलेक्ट

अगर आप फॉरेंसिक साइंस, क्रिमिनोलॉजी जैसे विषयों को पढ़ने और समझने और साइबर सिक्योरिटी जैसे पुलिसिंग के कुछ टेक्निकल फील्ड में स्पेशलाइजेशन हासिल करने की इच्छा रखते हैं, तो आप फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी या मैथेमेटिक्स जैसे विषयों का चयन कर सकते हैं।

आर्ट्स स्ट्रीम का करें चयन

इस स्ट्रीम में छात्रों को इतिहास, पॉलिटिकल साइंस,साइकोलॉजी, सोशियोलॉजी जैसे विषयों को पढ़ने का अवसर मिलता है। ये सारे विषय सामाजिक मुद्दों, शासन और ह्यूमन नेचर की समझ प्रदान करते हैं। अगर आप कानून प्रवर्तन के फील्ड में काम आ सकता है।

कॉमर्स स्ट्रीम को करें सेलेक्ट

कॉमर्स स्ट्रीम के अकाउंटेंसी, बिजनेस स्टडीज और इकोनॉमिक्स जैसे विषयों की मदद से फाइनेंस और बिजनेस पर फोकस कर सकते हैं। फाइनेंस से जुड़े क्राइम से निपटने या पुलिस बजट को मैनेज करने में ये विषय आपकी मदद कर सकता है।

कौन सी स्ट्रीम हो सकती है बेस्ट

किसी भी स्ट्रीम को सेलेक्ट करने के लिए छात्र के रूचि और पर्सनल च्वाइस पर डिपेंड करता है। सिविल सर्विस अधिकारी कई एजुकेशनल बैकग्राउंड से आते हैं। ऐसे में आपको उस विषय को चुनना चाहिए जिसे पढ़ने में आपको इंटरेस्ट आता है। अगर आप आर्ट स्ट्रीम से ग्रेजुएशन या पीजी करते हैं तो आपको आगे चलकर इन विषयों को समझना बेहद ही आसान होता है।

प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स में बनाएं अपना कॅरियर

ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट ऐसे रोगियों को दूसरों पर निर्भर हुए बिना अपने रोजमर्रा के काम करने के लिए स्थिरता और गतिशीलता हासिल करने में मदद करते हैं। कोई भी इस ऑर्थोटिस्ट या प्रोस्थेटिस्ट कॅरियर का विकल्प चुन सकता है।

ऑर्थोटिक्स और प्रोस्थेटिक्स प्रशिक्षित चिकित्सा पेशेवर होते हैं जो ऑर्थोटिक और प्रोस्थेटिक उपकरणों की योजना बनाते हैं, विकसित करते हैं, फिट करते हैं और संशोधित करते हैं। इन उपकरणों में ऑर्थोस ब्रेसिज, जैसे कृत्रिम हाथ और पैर शामिल हैं। ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट विकलांग रोगियों को सहायता प्रदान करते हैं। वे उन्हें कृत्रिम अंगों (प्रोस्थेटिक्स) से जोड़ते हैं और उन्हें स्थिरता हासिल करने में मदद करते हैं। कई बार दुर्घटना में लोगों के हाथ-पैर भी टूट जाते हैं। ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट उनके जीवन में सहायक उपकरणों को ठीक करने और गतिशीलता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे हादसों का शिकार हुए इंसान अक्सर आजीवन अपंगता का शिकार हो जाते हैं। ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट उनके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालाँकि वे मूल अंग को वापस नहीं ला सकते हैं, लेकिन वे कृत्रिम अंगों जैसे ऑर्थोटिक ब्रेसिज या ऑर्थोस के साथ उन्हें फिट करके उन्हें स्थिरता प्रदान कर सकते हैं।

प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स कॅरियर के रूप में ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट का कॅरियर सभी के लिए उपयुक्त है चाहे वह लड़का हो या लड़की। विकलांगता से पीड़ित लोगों को अक्सर दूसरों पर आजीवन निर्भरता रहना पड़ता है। ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट ऐसे रोगियों को दूसरों पर निर्भर हुए बिना अपने रोजमर्रा के काम करने के लिए स्थिरता और गतिशीलता हासिल करने में मदद करते हैं। कोई भी इस ऑर्थोटिस्ट या प्रोस्थेटिस्ट कॅरियर का विकल्प चुन सकता है।

प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स में स्नातक उन छात्रों के लिए एक करियर विकल्प है जो फार्माकोलॉजी, विच्छेदन सर्जरी और यहां तक कि ग्राफिकल संचार जैसे विषयों का अध्ययन करना चाहते हैं ताकि लगभग हर डोमेन में रोगियों की मदद की जा सके। इस कोर्स को करने पर छात्रों को किसी भी प्रोस्थेटिक या ऑर्थोटिक बीमारियों वाले रोगियों के इलाज के लिए एक पेशेवर दृष्टिकोण अपनाने में सक्षम बनाया जाता है।

प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक्स में स्नातक (बीपीओ) पाठ्यक्रम को देश में हो रही चिकित्सा प्रगति के अनुसार डिजाइन किया गया है। यह छात्रों को न्यूरोमस्कुलर और लोकोमोटर विकारों के पुनर्वास उपचार का विस्तृत अध्ययन प्रदान करता है। इतना ही नहीं, यह पाठ्यक्रम छात्रों को शारीरिक कल्याण के क्षेत्र में सक्षमता बनाने में भी मदद करता है। प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक्स में स्नातक 4 साल का पूर्णकालिक स्नातक पाठ्यक्रम है जिसे तीन महीने प्रोस्थेटिक्स में और तीन महीने ऑर्थोटिक्स के साथ कुल छह महीने के अनिवार्य प्रशिक्षण के साथ पूरा किया जाता है। पाठ्यक्रम में पढ़ाए जाने वाले कुछ विशेष विषय इस प्रकार हैं-

- जैवयांत्रिकी
- प्रोस्थेटिक साइंस
- ऑर्थोटिक साइंस
- मोबिलिटी एंड रिहैबीलीटेशन एड्स
- विच्छेदन सर्जरी और इमेजिंग विज्ञान
- सहायक तकनीक
- औषध
- ग्राफिकल संचार
- हड्डी रोग

सभी ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट को ऑर्थोटिक्स और प्रोस्थेटिक्स में मास्टर डिग्री पूरी करनी चाहिए। मास्टर प्रोग्राम को पूरा होने में आमतौर पर 2 साल लगते हैं। इन कार्यक्रमों में ऊपरी और निचले छोरों के ऑर्थोटिक्स और प्रोस्थेटिक्स, स्पाइनल ऑर्थोटिक्स और प्लास्टिक निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली अन्य सामग्री शामिल होती हैं। इसके अलावा, ऑर्थोटिक्स और प्रोस्थेटिक्स कार्यक्रमों में एक नैदानिक घटक होता है जिसमें छात्र एक आर्थोपेडिस्ट या प्रोस्थेटिस्ट के निर्देशन में काम करता है।

शीर्ष संस्थान

- अखिल भारतीय भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास संस्थान
- राष्ट्रीय लोकोमोटर विकलांग संस्थान, कोलकाता
- क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, तमिलनाडु
- अरुणाचल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडीज (एयूएस)
- आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी
- चक्रधर पुनर्वास विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर
- ईश्वर प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स संस्थान, चेन्नई

पात्रता

- कक्षा 12 वीं की बोर्ड परीक्षाओं में भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और अंग्रेजी विषयों में न्यूनतम 50% अंक प्राप्त करें
- कॉलेजों की उच्च रैंकिंग कट-ऑफ को क्लियर करने के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में अच्छा रैंक प्राप्त करें
- पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए संस्थानों द्वारा आयोजित विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं को पास करें

प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स के काम

ऑर्थोटिक्स और प्रोस्थेटिक्स आमतौर पर निम्नलिखित कार्य करते हैं:

- मरीजों की जरूरतों को निर्धारित करने के लिए उनका मूल्यांकन और साक्षात्कार
- रोगी के शरीर के उस हिस्से का माप या छाप लें जहाँ ब्रेस या कृत्रिम अंग लगाया जाएगा
- चिकित्सकों के नुस्खे के आधार पर आर्थोपेडिक और कृत्रिम उपकरणों का डिजाइन और निर्माण करना
- ऑर्थोटिक या प्रोस्थेटिक डिवाइस के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्री का चयन करना
- रोगियों को उनके उपकरणों का उपयोग करने और उनकी देखभाल करने का निर्देश देना
- प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक उपकरणों को समायोजित, मरम्मत या या उन्हें बदलना

रेगुलर डिग्री के साथ हासिल करें पार्ट टाइम स्किल

कॉलेज में क्लासेज होती हैं दोपहर तक, उसके बाद क्या करें! पर अब आप दोपहर बाद के खाली समय को लेकर परेशान न हों। दिल्ली विश्वविद्यालय के कैम्पस ऑफ ओपन लर्निंग में तरह-तरह के शॉर्ट टर्म कोर्स हैं, जो आपके दोपहर बाद के टाइम को भी सार्थक करेंगे और आपकी जानकारी में भी इजाफा करेंगे।

इन कोर्सों में कुछ बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर से जुड़े हैं तो कुछ पर्सनेलिटी डेवलपमेंट से। ये कोर्स आमतौर तीन से छह माह तक की अवधि के हैं। इन कोर्सों को रेगुलर कोर्स की पढ़ाई करने के साथ-साथ किया जा सकता है।

कोर्स के रंग

केशवपुरम स्थित सेंटर में विश्वविद्यालय ने विभिन्न उद्योगों की मदद से शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू किए हैं। फिलहाल पांच कोर्सेज में दाखिले की प्रक्रिया जारी है। कोर्स हैं- टेलीकॉम, इंश्योरेंस, सेल्स एंड रिलेशनशिप मैनेजमेंट, हॉस्पिटेलिटी और सॉफ्ट स्किल।

टेलीकॉम - टेलीकॉम का कोर्स भारती ग्रुप के सेंटम लर्निंग की मदद से चलाया जा रहा है। छह माह के इस कोर्स में दो माह की इंटर्नशिप है। कोर्स में कस्टमर रिलेशनशिप, कस्टमर सर्विस और टीम वर्क जैसी चीजें शामिल हैं।

इंश्योरेंस - इंश्योरेंस का कोर्स मेटलाइफ के सहयोग से चलाया जा रहा है। इसमें जीवन बीमा और वित्तीय मामलों की जानकारी दी जाती है। विभिन्न तरह के प्रोडक्ट्स और उनके इस्तेमाल के बारे में बताया जाता है। यह कोर्स तीन माह का है, जिसमें एक माह इंटर्नशिप है। इसकी फीस दस हजार रखी गई है।

सेल्स एंड रिलेशनशिप मैनेजमेंट- सेल्स एंड रिलेशनशिप मैनेजमेंट विशेष तौर पर स्नातक पास या स्नातक अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए है। इसमें दाखिला प्रवेश परीक्षा के जरिए होता है। कोर्स में दाखिला पाते ही छात्र को नियुक्ति पत्र भी दिया जाता है, ताकि कोर्स पूरा होते ही छात्र कंपनी के साथ काम कर सके। यह कोर्स बैंक और फाइनेंस सेक्टर में काम के लिहाज से तैयार किया गया है। सीटें 25 हैं और फीस 18 हजार है। कोर्स की अवधि साढ़े तीन माह है। यह हीरो माइंड माइन कंपनी के सहयोग से चल रहा है। इसमें बैंक की जानकारी, बिजनेस कम्युनिकेशन और कम्युनिकेशन और सेलिंग स्किल की जानकारी दी जाएगी।

सॉफ्ट स्किल - सॉफ्ट स्किल में अंग्रेजी कम्युनिकेशन, कॉरपोरेट एप्टीटयूड, साक्षात्कार का सामना करने के हुनर सिखाए जाते हैं। हॉस्पिटेलिटी का कोर्स होटल उद्योग और अन्य सर्विस सेक्टर में कुशल कर्मचारी तैयार करने को लेकर तैयार किया गया है। सेल्स एंड रिलेशनशिप मैनेजमेंट को छोड़ कर अन्य सभी कोर्सेज में प्रवेश के लिए 12वीं पास होना अनिवार्य है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

इन कोर्सों में दाखिला पाने वाले छात्रों को पढ़ाई के दौरान ऑन हैंड ट्रेनिंग भी दी जाती है। संस्थान में आधुनिक लैब भी तैयार की गई है। कक्षाएं आमतौर पर सप्ताह में तीन दिन दो-दो घंटे चलेंगी। कोर्स पूरा होने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय और संबंधित संस्थान संयुक्त रूप से सर्टिफिकेट प्रदान करते हैं। ये कोर्स छात्रों की सहूलियत के मुताबिक चलाए जाते हैं। अगर किसी को सुबह की पाली में क्लास करने में परेशानी है तो वह दूसरी पाली यानी दोपहर बाद भी क्लास कर सकता है।

सीखें कहने की कला

अपनी बात कहने से पहले दूसरों की बात गौर से सुनें- गुनें और उनकी उम्मीदों-अपेक्षाओं को समझें, ताकि जब आपके कहने की बारी आए, तो दूसरे भी आपकी बातों को ध्यान से सुनें और प्रभावित हों। जॉब सर्च, इंटरव्यू या नौकरी के दौरान अपनी बात से दूसरों को मुरीद बनाने की कम्यूनिकेशन स्किल के टिप्स दे रहे हैं मोटिवेटर।

अच्छे वक्ता वे होते हैं, जो बोलते हैं तो लोग ध्यान से सुनते हैं। आज स्थिति यह है कि आप अपनी बात को कितने प्रभावशाली ढंग से रखते हैं, उसी पर आपको करियर या जीवन के किसी भी क्षेत्र में मिलने वाली कामयाबी निर्भर करती है। जरा सोचिए, आप किसी मंच पर अपनी बात रख रहे हैं, तो लोग उसे क्यों सुनना चाहेंगे? अगर आप वहां उपस्थित लोगों की मन:स्थिति, उनकी रुचियों, अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित विषय को जोड़ेंगे, तभी लोग उससे प्रभावित होंगे। आप चाहे जितनी हायर स्टडी कर लें या तकनीकी ज्ञान हासिल कर लें, जब तक उसके बारे में लोगों को अच्छी तरह बताने की कला में पक्के नहीं हो जाते, तब तक लोग आपके ज्ञान से कतई प्रभावित नहीं हो सकते। इसलिए जितना जरूरी ज्ञान प्राप्त करना है, उससे कहीं ज्यादा जरूरी अपनी कम्यूनिकेशन स्किल विकसित करना है। अगर आप एक बार कहने की कला में पारंगत हो गए, तो चाहे पब्लिक स्पीकिंग हो या फिर इंटरव्यू या ग्रूप डिस्कशन या फिर मार्केटिंग फील्ड में अपने क्लाइंट को प्रभावित करना हो, हर जगह आप कामयाबी हासिल कर सकते हैं।

होमवर्क जरूरी

अगर आप किसी संस्थान में जॉब हासिल करना चाहते हैं, तो वहां अप्लाई करने से पहले या साथ-साथ उसके बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी जुटाने का प्रयास करें। मसलन यह कि कंपनी क्या काम करती है, मार्केट में उसकी छवि कैसी है, वहां के लोगों को मार्केट में कितना आदर-सम्मान दिया जाता है आदि। यह सब जानने के बाद ही आप इंटरव्यू के दौरान वहां के एचआर को बता सकते हैं कि आप वहां के लिए कितने उपयोगी हो सकते हैं। 90 फीसद से ज्यादा उम्मीदवार ऐसा नहीं करते। ऐसे में इंटरव्यू के वक्त जब उनसे पूछा जाता है कि आप संस्थान की तरक्की में किस तरह का योगदान दे सकते हैं, तो उम्मीदवारों के पास तार्किक जवाब नहीं होता। फिर वे जो भी जवाब देते हैं, उसकी कोई अहमियत नहीं रह जाती। अगर कंपनी के बारे में आपको जानकारी है, तो आप आत्मविश्वास के साथ अपनी बात कह सकते हैं।

तोल-मोल कर बोलें

जब कभी इंटरव्यू के लिए जाएं, तो अपने रेज्यूमे में लिखी बातों का ध्यान रखें। अपने बारे में वही बताएं, जो आपने रेज्यूमे में पहले लिखकर भेजा है। इंटरव्यू के दौरान पूरी विनम्रता से, मीडियम टोन में अपनी बात रखें। न तो इतनी जोर से बोलें कि आपकी आवाज कमरे से बाहर तक सुनाई दे और न ही इतना धीमे बोलें कि सामने वाले लोग आपकी बात सुन ही न पाएं। अगर आपकी आवाज कर्कश, बेसुरी है, तो संगीत साधना की तरह घर पर इसे विनम्र-मधुर बनाने का रियाज करें। आगे आपको हर जगह इसका फायदा मिलता नजर आएगा।

सुनें ज्यादा, बोलें कम

इंटरव्यू या क्लाइंट मीटिंग के दौरान बीच में बोले बिना सामने वाले की बातों को गौर से सुनें। उनकी बात खत्म होने के बाद दस सेकंड सोचें और अपनी सूझ-बूझ का परिचय देते हुए विनम्रता से जवाब दें या अपनी बात रखें। एक बार जो बोलें, उसे बदलें नहीं। न ही किसी बात पर उत्तेजित हों।

राजेश दहिया ने झेरली स्कूल में कक्षा कक्ष का किया शिलान्यास

बोले- शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए भाजपा सरकार कटिबद्

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

विधानसभा क्षेत्र के झेरली गांव स्थित राजकीय विद्यालय में गुरुवार को विकास कार्यों की कड़ी में एक और अध्याय जुड़ गया। पिलानी से भाजपा प्रत्याशी रहे युवा नेता राजेश दहिया ने विद्यालय में नवनिर्मित होने वाले एक कक्षा कक्ष के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया।

शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए राजेश दहिया ने कहा कि प्रदेश की संवेदनशील 'डबल इंजन' भाजपा सरकार राजकीय विद्यालयों के सशक्तिकरण और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है। उन्होंने इस विकास कार्य की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य हर विद्यार्थी को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर पिलानी प्रधानाचार्या सुशीला, झेरली प्रधानाचार्य मैना जांगिड, मुरलीमनोहर शर्मा, पूर्व सरपंच रोहिताश, सूबेदार मातु सिंह, पुरषोत्तम भटैया, पृथ्वी सिंह, भान सिंह, मंदरूप सिंह और अमर सिंह पायल सहित

बड़ी संख्या में मातृ शक्ति, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

स्मार्ट मीटरों के विरोध व फसल नुकसान की गिरदावरी की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

क्षेत्र में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों के विरोध तथा हाल ही में पड़े पाले से नष्ट हुई सरसों की फसल की गिरदावरी की मांग को लेकर 'स्मार्ट मीटर हटाओ संघर्ष समिति' के सदस्यों ने मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। समिति ने चेतावनी दी कि यदि जनविरोधी नीतियों पर रोक नहीं लगाई गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। संघर्ष समिति के सदस्यों ने आरोप लगाया कि विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर पूरी तरह जनता के हितों के खिलाफ हैं। इस दौरान अनिल कुमार टोनी और रतिराम सिंह राव ने कहा कि जिलेभर में स्मार्ट मीटरों को लेकर भारी रोष है। मीटरों की कार्यप्रणाली और बिलिंग प्रणाली को लेकर आमजन में अविश्वास की स्थिति बनी हुई

है, ऐसे में इस योजना को जनहित में तुरंत बंद किया जाना चाहिए। ज्ञापन में किसानों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया। मास्टर वीरभान और हजारी सिंह ने बताया कि हाल ही में पड़े भीषण पाले के कारण क्षेत्र में सरसों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं, जिससे किसानों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। समिति ने मांग की कि प्रशासन प्रभावित क्षेत्रों में विशेष गिरदावरी करवा कर खराबे का सही आकलन करे और किसानों को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। ज्ञापन सौंपते समय विक्रम सिंह सहित संघर्ष समिति के अनेक सदस्य और ग्रामीण उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से अपील की कि वह जनभावनाओं का सम्मान करते हुए स्मार्ट मीटरों के मुद्दे और फसल नुकसान के मामलों में तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करे, अन्यथा संघर्ष समिति आंदोलन को और व्यापक रूप देगी।

बनगोठड़ी की लाडली अर्पिता ने राजस्थान को दिलाया कांस्य पदक, ग्रामीणों ने 35 हजार नकद देकर किया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

आंध्र प्रदेश के कुटुप्पू में आयोजित नेशनल अंडर-14 वॉलीबॉल प्रतियोगिता में राजस्थान की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए बनगोठड़ी की छात्रा अर्पिता धनखड़ ने कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। छात्रा की इस उपलब्धि पर शुक्रवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बनगोठड़ी में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराने के बाद जिला मुख्यालय पहुँचने पर जिला कलेक्टर अरुण गर्ग और जिला खेल अधिकारी राजेश ओला ने अर्पिता को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रशासन ने छात्रा के साथ उनके कोच ओमवीर पूनिया की भी हौसला अफजाई की। शुक्रवार को विद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में ग्रामीणों और अतिथियों ने अर्पिता को 35 हजार रुपये नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य

अनुज जाखड़ ने बताया कि विद्यालय का लक्ष्य छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास करना है। इसी का परिणाम है कि यहाँ के विद्यार्थी शिक्षा और खेल, दोनों क्षेत्रों में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं।

समारोह में सफलता के सूत्रधार कोच ओमवीर पूनिया का भी ग्राम पंचायत और विद्यालय परिवार की ओर से अभिनंदन किया गया। इस दौरान ब्लॉक कार्यालय पिलानी से एसीबीईओ (ACBEO) मनीष, संदर्भ व्यक्ति सुदर्शन शर्मा, उमराव धनखड़, उमराव पूनिया, राजवीर जांगिड़, सूरत सिंह धनखड़, वीरेंद्र पूनिया, सुनील मेघवाल, सुरेंद्र मेघवाल, कृष्ण जांगिड़, किशोरी लाल शर्मा, धर्मवीर भालोठिया, सुरेंद्र पूनिया, धर्मेंद्र धनखड़ और उम्मेद पूनिया सहित अर्पिता के परिवारजन और ग्रामीण मौजूद रहे।

अंतर जिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम संपन्न, बूंदी के युवाओं ने दिखाई सक्रिय भागीदारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । माई युवा भारत के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय अंतर जिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हुआ। इस कार्यक्रम में बूंदी जिले के युवाओं ने भाग लिया, जो विभिन्न जिलों के बीच सांस्कृतिक, सामाजिक और खेलकूद गतिविधियों के आदान-प्रदान का प्रभावी मंच बना।समापन समारोह के मुख्य अतिथि महावीर इंटरकॉन्टिनेंटल सर्विस ऑर्गेनाइजेशन, बीकानेर ग्रेटर के अध्यक्ष डॉ. नरेश गोयल रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध कवि-कथाकार राजेन्द्र जोशी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक रमेश तांबिया, नशा मुक्ति केंद्र से डॉ. हरमीत सिंह तथा विक्रम सिंह उपस्थित रहें। मुख्य अतिथि डॉ. नरेश गोयल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, सांस्कृतिक

एकता और खेल भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने बूंदी से आए युवाओं की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों को और अधिक व्यापक स्तर पर आयोजित करने की आवश्यकता जताई। अध्यक्षीय उद्बोधन में राजेन्द्र जोशी ने कहा कि माई भारत अभियान के माध्यम से ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों के युवाओं में नेतृत्व, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित हो रही है, जो देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है। मेरा युवा भारत केंद्र की जिला युवा अधिकारी रूबी पाल ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान खेल प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा नेतृत्व विकास कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जिनमें बूंदी जिले के 37 युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन गतिविधियों का उद्देश्य युवाओं में आपसी समझ, टीम भावना और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में मनोहर सिंह भाटी, लेखा अधिकारी छोटू राम पूनिया, निशांत, राजू राम, कुशल राज सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महावीर जालप ने किया। समापन अवसर पर प्रतिभागी युवाओं को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

मतदाता पुनरीक्षण में अनियमितताओं के आरोप, कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में चल रही मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में बिना ठोस कारण व विवरण के फॉर्म-7 जमा किए जाने को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात कर मामले की तत्काल जांच की मांग की तथा इस संबंध में ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि जिले में जमा किए गए फॉर्म-6, 7 और 8 की संकलित सूचियां कांग्रेस पार्टी को उपलब्ध करवाई जाएं तथा भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा फर्जी व जाली हस्ताक्षरों से वोट कटवाने की मंशा से जमा किए गए फॉर्मों की हैंडराइटिंग व हस्ताक्षरों की फॉरेंसिक जांच करवाई जाए। पूर्व मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला और भंवर सिंह भाटी ने मांग की कि जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के सभी बूथों की पारदर्शी जांच करवाई जाए, कांग्रेस कार्यकर्ताओं से प्राप्त शिकायतों का शीघ्र निस्तारण किया जाए तथा जांच में पाई जाने वाली कमियों की जानकारी कांग्रेस पार्टी को दी जाए। साथ ही दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। पूर्व जिलाध्यक्ष एवं बीकानेर पूर्व से प्रत्याशी रहे यशपाल गहलोत ने कहा कि लोकतंत्र और मताधिकार से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि इस गंभीर विषय पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस पार्टी बड़ा आंदोलन करेगी।

जिला कांग्रेस कमेटी (देहात) अध्यक्ष बिशनाराम सियाग ने कहा कि कांग्रेसी कार्यकर्ताओं से प्राप्त सूचनाओं के अनुसार कई बूथों पर कांग्रेस विचारधारा के मतदाताओं के बड़े पैमाने पर वोट काटने के उद्देश्य से भाजपा नेताओं द्वारा फॉर्म-7 भरवाए गए हैं। कई स्थानों पर ये फॉर्म सीधे बीएलओ को और कई जगह उपखंड निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से संबंधित बीएलओ को भेजे गए। इन फॉर्मों पर फर्जी व जाली हस्ताक्षर किए जाने की भी जानकारी सामने आई है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष मदनगोपाल मेघवाल ने कहा कि इलेक्टोरल मैनुअल-2023 के अनुसार कोई भी व्यक्तिगत मतदाता केवल एक फॉर्म जमा कर सकता है तथा राजनीतिक बीएलए अधिकतम 10 फॉर्म जमा कर सकता है, जबकि हाल ही में हजारों की संख्या में बल्क में फॉर्म जमा किए गए, जो नियमों के विरुद्ध है। इसकी गहन जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। जिला संगठन महासचिव प्रहलाद सिंह मार्शल ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में देहात अध्यक्ष बिशनाराम सियाग, शहर अध्यक्ष मदनगोपाल मेघवाल, पूर्व मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला, भंवर सिंह भाटी, पूर्व जिलाध्यक्ष यशपाल गहलोत, पूर्व यूआईटी अध्यक्ष मकसूद अहमद, प्रदेश महासचिव जियाउर रहमान, पीसीसी सचिव शिवलाल गोदारा, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष चेतना डोटासरा, महिला शहर अध्यक्ष शशिकला राठौड़, देहात महिला अध्यक्ष शांति बेनीवाल, अल्पसंख्यक अध्यक्ष सत्तू खां, ओबीसी अध्यक्ष उमा सुथार, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण गोदारा, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष भंवर कुकणा, श्रवण रामावत, प्रफुल्ल हटीला, डॉ. प्रीति मेघवाल, शब्बीर अहमद, इकबाल मलवान, निरमा मेघवाल, पूनमचंद भाम्भू, ब्लॉक अध्यक्ष आनंद सिंह सोढा, सुमित कोचर, शहजाद भुट्टा, जाकिर नागोरी, विजय सिंह शेखावत, राहुल जादुसंगत, श्याम तंवर, मनोज मूंड, नितिन वत्सस, कामेंद्र प्रताप सिंह, मालाराम धतरवाल, आजम अली, शलीना खान, मनोज किराडू, मनोज गहलोत सहित कांग्रेस पार्टी के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन से मांग की कि मतदाता सूची की शुद्धता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए तत्काल ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि किसी भी मतदाता के साथ अन्याय न हो।

नीमराना में मतदाता पुनरीक्षण में अनियमितताओं का आरोप, नगर कांग्रेस ने तहसीलदार व एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । राजस्थान में चल रही मतदाता पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया के दौरान कथित अनियमितताओं को लेकर नीमराना नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेदप्रकाश सैनी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार विक्रम सिंह एवं उपखंड अधिकारी महेंद्र यादव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों एवं इलेक्टोरल मैनुअल 2023 के नियमों के विपरीत बड़ी संख्या में फॉर्म-6, 7 एवं 8 बल्क में जमा किए गए हैं। जबकि नियमों के अनुसार व्यक्तिगत मतदाता केवल एक ही आवेदन प्रस्तुत कर सकता है और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को भी सीमित संख्या में ही आवेदन जमा करने की अनुमति है। नगर कांग्रेस अध्यक्ष

एडवोकेट वेदप्रकाश सैनी ने बताया कि जानकारी के अनुसार एक ही दिन में सैकड़ों से लेकर हजारों की संख्या में फॉर्म-7 एवं फॉर्म-6 जमा किए गए, जो स्पष्ट रूप से निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है। उन्होंने मांग की कि ऐसे सभी नियमविरुद्ध आवेदनों पर किसी भी प्रकार की संज्ञानात्मक कार्रवाई न की जाए। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि नियमों के विपरीत आवेदन प्रस्तुत करने वाले व्यक्तियों एवं संगठनों के विरुद्ध प्राथमिक दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए तथा जमा किए गए फॉर्म-6, 7 एवं 8 की संकलित सूची नियमानुसार उपलब्ध कराई जाए। कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन से इस गंभीर विषय पर शीघ्र संज्ञान लेते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।इस अवसर पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी, उपाध्यक्ष संजय कुमार यादव, महावीर प्रसाद चर्खिया, अशोक दौराता, सचिव संजय यादव, श्योचंद उर्फ भरतरी, कृष्ण प्रजापति, सुरेंद्र सेन, पर्यावरण विद् भूपेंद्र चौहान, भीम सिंह सोनी, दीपक पटेल, विनय शर्मा, धर्मवीर रेवाड़िया, संजय सैनी सहित काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहें।

नीमराना में ADJ व ACJM कोर्ट स्थापना की मांग को लेकर अधिवक्ताओं का पैन डाउन आंदोलन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (ADJ) कोर्ट तथा अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (ACJM) कोर्ट की स्थापना की मांग को लेकर अभिभाषक संघ नीमराना, जिला कोटपूतली-बहरोड़ के अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को न्यायालय परिसर में आवश्यक बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता बार संघ अध्यक्ष उदय सिंह यादव ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी विधानसभा सत्र-2026, जो 28 जनवरी से प्रारंभ हो रहा है, उससे पूर्व न्यायालयों की स्थापना की मांग को लेकर चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। इसी क्रम में अधिवक्ताओं ने 15 जनवरी से 21 जनवरी 2026 तक, आवश्यक प्रकृति के मामलों को छोड़कर, सभी न्यायालयों का कार्य पैन डाउन

(कार्य बहिष्कार) रखने का निर्णय लिया है। अधिवक्ताओं ने बताया कि नीमराना एक प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र होने के बावजूद यहां उच्च न्यायालयीन व्यवस्था का अभाव है। ADJ एवं ACJM कोर्ट नहीं होने के कारण आमजन और अधिवक्ताओं को मामलों की सुनवाई के लिए अन्य स्थानों पर जाना पड़ता है, जिससे समय और आर्थिक संसाधनों की अनावश्यक हानि होती है। बार संघ ने प्रशासन एवं राज्य सरकार से मांग की कि क्षेत्र की बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिक विकास और प्रकरणों की संख्या को देखते हुए नीमराना में शीघ्र ही ADJ व ACJM न्यायालयों की स्थापना की जाए। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और अधिक उग्र रूप दिया जाएगा। इस अवसर पर बार संघ अध्यक्ष उदय सिंह यादव, पूर्व अध्यक्ष एम.डी. शर्मा, सचिव राकेश यादव, कोषाध्यक्ष सुभाषच राकेश यादव, पुस्तकालय अध्यक्ष सुभीका कुमारी सहित अधिवक्ता प्रमोद यादव, मुकेश कुमार यादव, विजय चौहान, मुकेश सिरोहीवाल, ममता शर्मा, पीताम्बर सिंह, अजयपाल सिंह चौहान, विनोद सिंह चौहान, निर्मल, देवेन्द्र, राहुल यादव, नवीन बाला, पंकज शर्मा, जितेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहें।

ढाणी निहालोठ में सड़क निर्माण न होने से जलभराव, मकान जर्जर, महामारी फैलने की आशंका

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

झुंझुनूं जिले के ग्राम ढाणी निहालोठ में सड़क निर्माण नहीं होने के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क के अभाव में नालियों का गंदा पानी लगातार एकत्रित हो रहा है, जिससे आसपास बने कीमती मकान जर्जर अवस्था में पहुंच गए हैं। हालात ऐसे हो चुके हैं कि इस रास्ते से राहगीरों का निकलना तक दूभर हो गया है।ग्रामीणों ने बताया कि जलभराव और गंदगी के कारण क्षेत्र में मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों के फैलने की आशंका बनी हुई है। इसके बावजूद ग्राम पंचायत को कई बार इस गंभीर समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों में पंचायत प्रशासन के प्रति गहरा रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र ही सड़क निर्माण एवं जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं की गई, तो वे मजबूरन धरना-प्रदर्शन करने को विवश होंगे।

इस मौके पर हुकम सिंह, विक्रम सिंह, शक्ति सिंह, राहुल, चेतराम, उद्यमी, दयाराम, मनोज, प्रेम सिंह, भंवर सिंह, चिरंजी, शक्ति, होशियार सिंह, गूगन, शेखर जाखड़, रोशन, अजीत जाखड़ सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में प्रशासन से शीघ्र समस्या के समाधान की मांग की। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि ढाणी निहालोठ की इस गंभीर समस्या पर तत्काल संज्ञान लेते हुए सड़क निर्माण और जल निकासी की व्यवस्था करवाई जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और संभावित महामारी से बचाव हो सके।

खीरवा निवासी अयूब अली सहायक उपनिरीक्षक से उपनिरीक्षक पद पर हुए पदोन्नत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड राजस्थान द्वारा जयपुर परिक्षेत्र में उपनिरीक्षक के वर्ष 2022-23 में निर्धारित कुल 23 रिक्त पदों की पूर्ति हेतु सहायक उपनिरीक्षक से उपनिरीक्षक पद की योग्यता परीक्षा आयोजित कर परिणाम घोषित किया गया है । घोषित परिणाम अनुसार सामान्य वर्ग में ग्राम खीरवा निवासी अयूब अली पुत्र आलमशेर को सहायक उपनिरीक्षक से उपनिरीक्षक पद पर महानिरीक्षक पुलिस रेंज जयपुर द्वारा पदोन्नति दी गई हैं । अयूब अली के अलावा चार अन्य को भी उपनिरीक्षक के पद पर पदोन्नति मिली हैं ।

ज्योतिष महाकुंभ के लिए लक्ष्मनगढ के युवा ज्योतिषाचार्य पंडित गुंजन जोशी को मिला निमंत्रण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

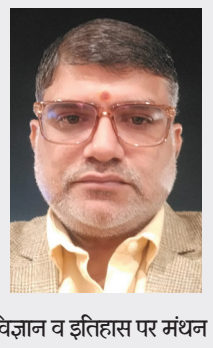

ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय देहरादून में आयोजित होने वाले दो दिवसीय ज्योतिष महाकुंभ में लक्ष्मनगढ के युवा ज्योतिषाचार्य पंडित गुंजन जोशी को शामिल होने का निमंत्रण मिला है। लक्ष्मणगढ़ हाल दिल्ली निवासी युवा ज्योतिषाचार्य पंडित गुंजन जोशी ने बताया कि 24 व 25 जनवरी को ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय देहरादून परिसर में आयोजित ज्योतिष महाकुंभ में देश भर के 100 के करीब नामी विशेषज्ञ ज्योतिषाचार्य, हस्त रेखा विशेषज्ञ, कुंडली विशेषज्ञ शिरकत कर ज्योतिष विज्ञान व इतिहास पर मंथन करेंगे तथा परामर्श देंगे।

51 स्कूली बच्चों को ब्लेजर, जूते व बैग वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय बाटड़ानाऊ में व्यवसायी ताराचंद बाटड की ओर से अपने माताजी स्व.केसरी देवी की प्रथम पुण्यतिथि के उपलक्ष में शिक्षक सुरेंद्र बाटड की प्रेरणा से स्थानीय

विद्यालय के 51 जरूरतमंद स्कूली बच्चों को ब्लेजर, जूते और स्कूल बैग वितरित किये गए। संस्था प्रधान शीशराम स्वामी ने इस अवसर पर भामाशाह का साफा व शॉल ओढाकर सम्मान किया व नेक कार्य करने के लिए आभार व्यक्त किया । पीईईओ सुमेर सिंह की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में सुल्तान सिंह बाटड, हरदयाल सिंह, मनोज बाटड, महेश कुल्हरी, भंवर मीणा, सुनील राबिया, रामनिवास बाटड, सरोज सैनी, रिंकू चौधरी, कमल जांगिड़, बजरंग सिंह, रितिका कँवर एवं ग्रामीणजन व अभिभावक उपस्थित रहें।कार्यक्रम में महेश कुल्हरी द्वारा विद्यालय को पोडियम (लेक्चर स्टैंड) देने की घोषणा की। संचालन शिक्षक दिनेश शर्मा ने किया।

आरटिया प्रदेश अध्यक्ष विष्णु भूत ने बांदीकुई विधायक भागचंद टाकडा से की शिष्टाचार मुलाकात

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

अखिल राज्य ट्रेंड एंड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन राजस्थान आरटिया के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु भूत ने जयपुर प्रवास के दौरान बांदीकुई विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक भागचंद टाकडा से शिष्टाचार मुलाकात की। आरटिया प्रदेश अध्यक्ष विष्णु भूत ने विधायक टाकडा के गांधीनगर जयपुर

स्थित सरकारी आवास पर पहुंच कर दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया तथा राजनैतिक मुद्दों पर चर्चा परिचर्चा कर शेखावाटी अंचल के दौरे पर आने का निमंत्रण देते हुए खाटूश्यामजी में श्याम बाबा, शाकंभरी मैया, जीण माता व सालासर बालाजी के दर्शन करने का न्योता दिया। इस दौरान व्यवसायी ऋषि जाजोदिया भी साथ थे।

उदयपुरवाटी में सावित्री विद्यापीठ आदर्श विद्यालय में सीपीआर का दिया प्रशिक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । उदयपुरवाटी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत चिकित्सक डॉक्टर परमानंद द्वारा सीपीआर का प्रशिक्षण शिक्षको व बच्चों को दिया । डॉ परमानंद ने हार्ट से संबंधित विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया । जिसमें जब सांस में दिक्कत हो जाती है सांस लेने में कठिनाई हो रही हो, नाचते समय, चलते समय ,कहीं भी, मरीज को कैसा क्या करना चाहिए, इसके बारे में प्रशिक्षित दिया गया । इस दौरान उपस्थित सभी बच्चे ,स्टाफ जिसमें प्रधानाचार्य सुरेश कुमार सैनी, सीएचसी उदयपुरवाटी डॉक्टर परमानंद एवं सहायक उपस्थित रहे। राकेश स्वामी, मुकेश सैनी, कृष्ण शर्मा, मुली देवी, टीनू,ममता, आईसा, तथा विद्यालय के सभी बच्चे उपस्थित रहें।णा, सुनील राबिया, रामनिवास बाटड, सरोज सैनी, रिंकू चौधरी, कमल जांगिड़, बजरंग सिंह, रितिका कँवर एवं ग्रामीणजन व अभिभावक उपस्थित रहें।कार्यक्रम में महेश कुल्हरी द्वारा विद्यालय को पोडियम (लेक्चर स्टैंड) देने की घोषणा की। संचालन शिक्षक दिनेश शर्मा ने किया।

ठिठुरती ठंड में 19 वें दिन भी धरना जारी: क्रमिक धरना शुरु

भीम प्रज्ञा न्यूज़.गुढ़ागौड़जी।

उदयपुरवाटी । ग्राम हुकुमपुरा, बामलास, खेदड़ों की ढाणी एवं खरबासों की ढाणी में जारी अवैध खनन के विरुद्ध ग्रामीणों का ठिठुरती ठंड में भी 19 दिन से धरना जारी है एवं लगातार आंदोलन में आक्रोश बढ़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्थानीय नेता एवं प्रशासनिक सांठगांठ की वजह से यह खनन जारी है।एडवोकेट जयन्त मूण्ड ने बताया कि इसको लेकर हमने एक दिवसीय सांकेतिक धरना देकर जिला कलेक्टर, मुख्यमंत्री को अवगत करवा दिया। झुंझुनूं दौरे पर आए प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत को ज्ञापन देकर अवगत करवा दिया और वही तहसील कार्यालय का घेराव करके भी हमने उच्च अधिकारियों को अवगत करवा दिया है। हम शांति से सरकार के फैसलों का इंतजार कर रहे है,यदि सरकार इस मामले में कुछ नही करती तो फिर आखिरी रास्ता ग्रीन ट्रिब्यूनल और उच्च न्यायालय का है। इसको लेकर हम क्रमिक धरना दे रहे है। इस धरने में कैप्टेन विनोद सिंह, प्रदीप यादव बामलास, जब्बर अली, रामजीलाल सोहु,पूर्ण सिंह मेघवाल, नितेश बिजारणियां, बाबु लाल मीणा, जगदीश मेघवाल, मुकेश सोहु, हरी राम, रामकुमार जाट, अंधा सिंह, अब्दुल कायमखानी, लीलाधर मीणा आदि मौजूद रहें।

पूर्व पार्षद काजी व टीम ने कब्रिस्तान व श्मशान घाट से मकर संक्रांति के बाद 15 किलो प्लास्टिक मांझे को इकट्ठा कर किया नष्ट

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

पूर्व पार्षद असलम अली काजी और उनकी टीम ने मकर संक्रांति के बाद शुक्रवार को कब्रिस्तान व श्मशान घाट से करीब 15 किलो प्लास्टिक मांझे को इकट्ठा कर नष्ट किया। इस दौरान कई पक्षी मरे हुए मिले तो कई घायल मिलें। घायल पक्षियों का इलाज करवाया गया। इस अवसर पर ईदगाह कॉलोनी सदर अख्तर हुसैन, वार्ड अध्यक्ष अयूब नागौरी, बाबू काजी, सिकंदर चोपदार, शबीर कुरैशी, आरिफ ठेकदार, इकबाल कुरैशी, फारूक धोबी, सिकंदर काजी, शरीफ कुरैशी, चांद बिसायती, अशरफ, अरशद, अली अहमद आदि मौजूद थे।

बुद्धगिरी मंडी में गौ सम्मान आह्वान दिवस का भव्य हुआ आयोजन, गाय को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहपुर।

राज वर्मा । कस्बे की ऐतिहासिक बुद्धगिरी मंडी में शुक्रवार को गौ सम्मान आह्वान दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में संत-महात्मा, गौ रक्षक, गोपालक एवं शहरवासी शामिल हुए। पूरे आयोजन में गौ माता के संरक्षण और सम्मान को लेकर एकजुटता दिखाई दी। बुद्धगिरी मंडी के पीठाधीश्वर दिनेश गिरी जी महाराज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य गाय को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाना है। उन्होंने कहा कि देशभर में गौ हत्या पर सख्त कानून बने और इसे पूरी तरह से बंद किया जाए। उन्होंने मुख्य मांगें रखते हुए कहा कि सभी तहसील एवं जिला स्तर पर गौ चिकित्सालय स्थापित किए जाएं, ताकि बीमार और बेसहारा गौवंश को समय पर इलाज मिल सके। इसके साथ ही गौ तस्करी में प्रयुक्त वाहनों को जब्त करने और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की भी मांग रखी गई। दिनेश गिरी महाराज ने कहा कि गाय के संरक्षण, अनुसंधान और संवर्धन के लिए उचित अनुदान और योजनाएं बनाई जाएं। उन्होंने जानकारी दी कि आगामी 27 अप्रैल और 27 जुलाई 2026 को गौ सम्मान दिवस के अवसर पर देशभर में तहसील व जिला स्तर पर अधिकारियों को मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे, ताकि गाय को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की मांग को मजबूती मिल सके। कार्यक्रम में मौजूद संत-महात्माओं और गौ सेवकों ने गौ रक्षा और गौ संवर्धन के लिए निरंतर संघर्ष का संकल्प लिया।

हिसार के आदमपुर के विधायक चंद्रप्रकाश ने मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत लगाया जनता दरबार, जनता के हक की उठाई आवाज

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत आदमपुरवासियों ने किया प्रदर्शन, मनरेगा के मूल स्वरूप को लागू करने की मांग की

भाजपा ने मनरेगा का मूल स्वरूप व नाम बदलकर गरीबों के साथ किया कड़वा मजाक : विधायक चंद्रप्रकाश

गरीबों को अधिकारों से वंचित करने की भाजपा की कोशिश जनता करेगी नाकाम : विधायक चंद्रप्रकाश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.हिसार/मंडी आदमपुर।

रजत विजय रंगा । गरीब, मजदूर और ग्रामीण भारत के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा हेतु शुरू किए गए मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत मंडी आदमपुर में विधायक चंद्रप्रकाश ने जनता दरबार का आयोजन किया। इस दौरान हलकावासियों से विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर आदमपुरवासियों ने प्रदर्शन करते हुए वीबी जी राम जी योजना का नाम दोबारा मनरेगा रखकर उसके मूल स्वरूप को लागू करने की मांग की। हलकावासियों ने स्पष्ट किया कि मनरेगा काम का अधिकार है और इस संवैधानिक हक को किसी भी कीमत पर छीनने नहीं देंगे। इस दौरान विधायक चंद्रप्रकाश ने मनरेगा बचाओ संग्राम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गरीब, मजदूर, किसान व पिछड़े वर्ग को अधिकारों से वंचित करने की भाजपा की कोशिश के चलते कांग्रेस पार्टी ने जनता के हितों के लिए यह अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने मनरेगा का नाम बदलकर वीबी जी राम जी नाम देकर गरीब ग्रामवासियों के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने कहा कि जनता एकजुट होकर भाजपा की यह कोशिश नाकाम करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने रोजगार सुनिश्चित करने के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम शुरू किया था लेकिन भाजपा ने इस योजना का स्वरूप और नाम बदलकर गरीबों के साथ कड़वा मजाक किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों की पोषक रही है लेकिन भाजपा महात्मा गांधी के सिद्धांतों को दरकिनार करते हुए अपनी मनमानी पर उतर आई है। चंद्रप्रकाश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत मांग करती है कि भाजपा सरकार काम की गारंटी, मजदूरी की गारंटी व जवाबदेही की गारंटी तय करे। इसके साथ ही मनरेगा में किए गए बदलावों को तत्काल प्रभाव से वापस ले। काम के संवैधानिक अधिकार की पूर्ण बहाली हो। इसके साथ ही वीबी जी राम जी का नाम दोबारा मनरेगा करके गरीब, मजदूर व पिछड़े वर्ग को राहत प्रदान की जाए। जनता दरबार के दौरान हलकावासियों ने विभिन्न समस्याओं से भी अवगत करवाया। लोगों ने सड़क निर्माण, सीवर व पेयजल लाइन के अधर में लटके कार्यों के मुद्दे को विशेष रूप से उठाया। विधायक चंद्रप्रकाश ने हलकावासियों के समक्ष स्पष्ट किया कि वे विधानसभा में आदमपुर के विकास से संबंधित मुद्दों को उठा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने आश्वसत किया था कि सडक़, सीवर व पेयजल लाइन से जुड़े सभी कार्य 31 दिसंबर तक पूरे हो जाएंगे लेकिन ये कार्य पूरे न होने से जनता परेशानी झेलने के लिए मजबूर है। चंद्रप्रकाश ने कहा कि सरकार को इस दिशा में गंभीरता दिखाते हुए सभी विकास कार्य तुरंत प्रभाव से पूरे करवाकर जनता को राहत प्रदान करनी चाहिए।

रघुनाथपुरा महात्मा गांधी विद्यालय में मंगल रसोई का लोकार्पण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । स्वर्गीय चौधरी मंगलाराम की स्मृति में उनके परिवार जनों ने महात्मा गांधी विद्यालय रघुनाथपुरा में चार लाख रुपए की लागत से रसोई टीन सेढ़ का निर्माण करवाया। चौधरी मंगलाराम के पौत्र विनोद चौधरी ने बताया कि इस शुभ अवसर पर अतिरिक्त निदेशक राजस्थान शिक्षा विभाग बजरंग लाल स्वामी, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा, सहायक निदेशक समसा अशोक जांगिड़, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बृजलाल ,पूर्व ब्लाक शिक्षा अधिकारी रामदेव सिंह ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर भामाशाह परिवार का सम्मान किया गया सहायक अभियंता सुरेंद्र सिंह ,वरिष्ठ अध्यापक विनोद चौधरी, पंचायत समिति सदस्य बसंत चौधरी, क्षत्रिय वन अधिकारी प्रसून, श्रवणी देवी, वरिष्ठ अध्यापक सरोज चौधरी का प्रेरक के रूप में सम्मानित किया। गांव के गणमान्य नागरिक प्रशासक ग्राम पंचायत रघुनाथपुरा संजय नेहरा, कैप्टन मंगलचंद ,शिवदान सिंह, प्रोफेसर रामकुमार ,मक्खन चौधरी ,कजोड़ राम , नेतराम सिंह , सुमेर सिंह पत्रकार ,रामदेवा राम, रामेश्वर सिंह , केसराम शर्मा ,जगदीश जांगिड़ ,रामगोपाल मीणा ,रामचंद्र रेप्सवाल, रामकुमार सिंह ,कमलेश मांडीवाल, उम्मेद कुमार, रामेश्वर मावलिया, प्रहलाद मावलिया ,लक्ष्मण राम , मक्खन गोसाई ,रामचंद्र मेघवाल कमलेश वाल्मीकि, प्रभात गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता ,लालचंद मंडीवाल ,ताराचंद मंडीवाल ,जयचंद्र रेपस्वाल जगदीश मेघवाल , सीताराम भूपेश,खेमचंद कुलहरी , भागीरथ पंच, घासी सैन, प्राचार्य माया, व्याख्याता कमलेश जाखड़, रोहिताश, महेश सहित लोग उपस्थित थे ।स्कूल प्रधानाचार्य हेमंत शर्मा ने सबका आभार व्यक्त किया कार्यक्रम का संचालन राकेश गढ़वाल और व्याख्याता सिद्धार्थ चौधरी ने किया।

तेज ठंड से शिशु वाटिका के भैया बहिनों को राहत, भामाशाह ने दिये पचास गद्दे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । शिशु वाटिका आदर्श विद्या मंदिर उदयपुरवाटी में शिशु कक्षा के नन्हें भैया बहिनें अब इस कड़ाके की ठंड में गद्दों पर बैठकर वंदना कर सकेंगे। शिशु वाटिका के संस्था प्रधान श्याम सुंदर शर्मा ने बताया कि शिवकरण चैरिटेबल ट्रस्ट कोलकाता द्वारा सी ए वी एन अग्रवाल ने उनकी हल्की सी मांग पर 50 गद्दे उपलब्ध करवाए हैं।संस्था प्रधान के अनुसार उन्होंने अपने मित्र अग्रवाल से निवेदन किया कि इस कड़ाके की ठंड में नन्हे मुन्ने शिशु वंदना सभा में करीब 1 घंटे तक बैठकर वंदना करते हैं। दरियों पर बैठकर वंदना करने से ठंड अत्यधिक महसूस होती है, अतः पूरे वंदना हाल में अगर गद्दों की व्यवस्था हो जाए तो ,सभी भैया बहिनें आराम से सुकून के साथ वंदना कर सकेंगे।छोटे से आग्रह से ट्रस्ट के मुखिया अग्रवाल ने इक्कीस हजार रुपयों की लागत से 50 गद्दे विद्यालय को उपलब्ध करवाये। स्थानीय प्रबंधन समिति के पदाधिकारीगण एवं संस्था प्रधान तथा विद्यालय परिवार ने भामाशाह का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया है, साथ ही कहा है कि इस प्रकार के सहयोग की भावना आप सदैव विद्यालय के प्रति बनाए रखें। संस्था प्रधान ने बताया कि पूर्व में तीस गद्दे एक भामाशाह द्वारा दिए गए थे। अधुरे कार्य को सीए वी एन अग्रवाल ने पूर्ण किया अब कुल अस्सी गद्दे शिशु वाटिका आदर्श विद्या मंदिर उदयपुरवाटी में हो गये, जो नन्हे मुन्ने शिशुओं को ठंड से राहत हेतु पर्याप्त है। सभी पांच कक्षा कक्षों व विशाल वंदना कक्ष में गद्दे लगवा दिए गए हैं।

बलौदा में 19 जनवरी को होगा बेटी जन्मोत्सव एवं सम्मान समारोह, मां सरस्वती मंदिर का भी मनाया जाएगा स्थापना दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

शहीद धर्मपाल सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बलौदा एवं रक्षिता सेवा संस्थान, बलौदा (झुंझुनू) के संयुक्त तत्वावधान में 19 जनवरी 2026, सोमवार को विद्यालय प्रांगण में बेटी जन्मोत्सव एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम स्वर्गीय रक्षिता (बुगल), सुपुत्री कुसुम एवं दारा सिंह (विकास अधिकारी, जिला परिषद बारां), निवासी बलौदा की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है।कार्यक्रम के साथ ही विद्यालय परिसर में निर्मित मां सरस्वती मंदिर का प्रथम स्थापना दिवस भी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इसके अलावा, बेटी के 19वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विशेष आयोजन रखे गए हैं, जिनमें सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रेरक गतिविधियां शामिल होंगी। विद्यालय के प्रधानाचार्य नेतराम यादव ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' के संदेश को और अधिक सशक्त बनाना तथा समाज में बेटियों के प्रति सम्मान, समानता और अवसर की भावना को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि बेटियों को शिक्षा और संस्कार के माध्यम से सशक्त बनाना ही समाज के समग्र विकास की कुंजी है। समारोह के दौरान शिक्षा, सामाजिक सेवा और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाओं का सम्मान भी किया जाएगा, ताकि समाज में सकारात्मक प्रेरणा का संचार हो और युवा पीढ़ी को आगे बढ़ने का मार्गदर्शन मिले। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ, SDMC व SMC के सदस्य, ग्रामवासी तथा क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस सामाजिक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम को सफल बनाएं और बेटियों के सम्मान के संदेश को आगे बढ़ाने में सहभागी बनें। आयोजकों के अनुसार यह कार्यक्रम न केवल एक स्मृति समारोह होगा, बल्कि समाज में संवेदनशीलता, समानता और सामाजिक उत्तरदायित्व को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

थाना शहर टोहाना पुलिस की कार्रवाई : हेरोइन रखने के आरोप में आरोपी काबू

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत 6.15 ग्राम हेरोइन बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत थाना शहर टोहाना पुलिस ने नशा तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक युवक को हेरोइन सहित काबू किया है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि दिनांक 15 जनवरी 2026 को पुलिस चौकी चंडीगढ़ रोड टोहाना की टीम गश्त व अपराध रोकथाम के दौरान इन्डस्ट्रियल एरिया, इन्दिरा कॉलोनी रोड टोहाना में मौजूद थी। इसी दौरान एक युवक संदिग्ध अवस्था में मोटरसाइकिल सहित खड़ा मिला, जिसे शक के आधार पर काबू किया गया। आरोपी की पहचान सावन पुत्र बिट्टू पुत्र गुरवंत सिंह निवासी वार्ड नंबर 02, राज नगर, टोहाना जिला फतेहाबाद के रूप में हुई। नियमानुसार तलाशी लेने पर आरोपी की जींस की जेब से एक पारदर्शी मोमी पाउच में 6.15 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इस संबंध में आरोपी के विरुद्ध थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 26 दिनांक 15.01.2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धाराएं 21-B, 61 व 85 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। मामले में नशा सप्लाई नेटवर्क से जुड़े अन्य पहलुओं की भी गहनता से जांच की जा रही है।

टोहाना आई जी कालेज के सामने आपरेशन हॉट स्पाट डॉमिनेशन के तहत सुरक्षा बढ़ाई

महिला सुरक्षा टीम की कार्रवाई : हॉटस्पॉट क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों की जांच

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/टोहाना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशन के तहत महिला सुरक्षा टीम ने क्षेत्र में सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया। इस अभियान का नेतृत्व महिला सुरक्षा टीम प्रभारी निरीक्षक मंजू सिंह ने किया। अभियान के दौरान बस अड्डा भुना और आई.जी. कॉलेज टोहाना के आसपास संदिग्ध व्यक्तियों की सक्रियता पर विशेष निगरानी रखी गई। पुलिस टीम ने संदिग्ध व्यक्तियों को रोककर उनकी पहचान और गतिविधियों की जांच की। इस कार्रवाई के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि या अपराध की संभावना न रहें। साथ ही अभियान के दौरान आसपास के बच्चों को महिला विरुद्ध अपराधों और अन्य सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। बच्चों को यह बताया गया कि किसी अजनबी के संपर्क में आने पर किस प्रकार सतर्क रहना चाहिए और आपात स्थिति में पुलिस से कैसे संपर्क किया जा सकता है। इस जागरूकता सत्र में बच्चों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई और अपनी सुरक्षा के प्रति गंभीरता का परिचय दिया।

महिला सुरक्षा टीम ने बताया कि हॉटस्पॉट क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने से न केवल अपराध नियंत्रण में मदद मिलती है, बल्कि बच्चों और आम जनता में सुरक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है। अभियान के दौरान टीम ने यह सुनिश्चित किया कि सभी गतिविधियाँ शांतिपूर्ण, व्यवस्थित और प्रभावी ढंग से संपन्न हों। इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत करने और नागरिक सुरक्षा बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला है। पुलिस टीम हॉटस्पॉट क्षेत्रों में निगरानी और जनता में सुरक्षा जागरूकता अभियान जारी रखेगी।

सेवा स्तंभ ने ओ .एस.सी. वर्ग के साथ भर्ती में हो रहे भेदभाव को लेकर सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भगत सिंह बौद्ध । सेवा स्तंभ के प्रधान भगत सिंह बौद्ध की अध्यक्षता में अभी हाल ही में जारी विभिन्न भर्तियों के विज्ञापन में ओ एस सी वर्ग के साथ हो रहे भेदभाव को लेकर जिला उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार, एससी आयोग आदि के नाम ज्ञापन सौंपा। उपायुक्त महोदय की अनुपस्थिति में एसडीएम सुरेश कुमार को ज्ञापन सौंपा। जिला प्रधान भगत सिंह बौद्ध ने बताया कि अभी हाल ही में हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या 03/2026 (CET फेज-ग्रुप 'C') के अंतर्गत स्टेनो-टाइपिस्ट सहित विभिन्न कुल 1759 पदों हेतु दिनांक 09.01.2026 को विज्ञापन जारी किया गया है, जिसकी अंतिम तिथि 15 फरवरी 2026 निर्धारित है। मगर खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि उक्त विज्ञापन में अनुसूचित जाति वर्ग हेतु राज्य सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण नीति के अनुरूप पदों का निर्धारण नहीं किया गया है। नियमानुसार अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 349 पद आरक्षित किए जाने चाहिए थे, जबकि विज्ञापन में केवल 336 पद ही दर्शाए गए हैं, जो कि निर्धारित आरक्षण कोटे से 13 पद कम हैं। यह स्थिति स्पष्ट रूप से आरक्षण नीति का उल्लंघन एवं अनुसूचित जाति वर्ग के प्रति भेदभावपूर्ण व्यवहार को दर्शाती है। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग को डीएससी (DSC) एवं ओएससी (OSC) दो उप-वर्गों में वर्गीकृत किया गया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार इन दोनों वर्गों को समान अनुपात में अवसर प्रदान किया जाना अनिवार्य है। परंतु विज्ञापन में प्रदर्शित पदों के अनुसार डीएससी वर्ग को 205 पद तथा ओएससी वर्ग को मात्र 131 पद दिए गए हैं, जिससे दोनों वर्गों के बीच 74 पदों का भारी अंतर उत्पन्न हो गया है। यह असमान वितरण न केवल न्यायसंगत सिद्धांतों के विपरीत है, बल्कि इससे अनुसूचित जाति समाज के भीतर भेदभाव एवं असंतोष की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका भी है, जो सामाजिक समरसता के लिए घातक है। उपरोक्त तथ्यों का विस्तृत विवरण संलग्न अनुलग्नक-' में दर्शाया गया है। इसलिए उक्त विज्ञापन को निरस्त करते हुए आरक्षण एवं वर्गीकरण से संबंधित समस्त अनियमितताओं को दूर कर, संशोधित एवं न्यायसंगत विज्ञापन पुनः जारी करने की कृपा करें, ताकि किसी भी वर्ग के साथ अन्याय न हो एवं सभी अभ्यर्थियों को समान अवसर प्राप्त हो सके। आशा है इस गंभीर विषय पर हरियाणा सरकार शीघ्र संज्ञान लेते हुए न्यायोचित निर्णय करने का काम करेंगी। आज के ज्ञापन सौंपने वालों में विभिन्न पदाधिकारी एवं सहयोगी साथी उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से भगत सिंह बौद्ध, आर.पी .सिंह दहिया, सूबे सिंह रेवड़ियां,होशियार सिंह अहरोदिया, रामनिवास गोठवाल, सत्यप्रकाश नैचाना , लक्ष्मीबाई लिसाना,राजेश सुलखा,एडवोकेट टेकचंद,सतबीर सिंह , विकाश आनंद, सतप्रकाश थिरान, राजपाल बिठवाना आदि सहयोगी साथी उपस्थित रहें।

सीआईए टोहाना की कार्रवाई : हेरोइन तस्करी के आरोप में आरोपी काबू

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत 8.60 ग्राम हेरोइन बरामद-सब इन्स्पेक्टर पवन कुमार भुक्कल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत सीआईए टोहाना पुलिस ने नशा तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू किया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा।सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि दिनांक 15 जनवरी 2026 को सीआईए टोहाना की टीम गश्त व अपराध रोकथाम के दौरान टोहाना-रतिया रोड क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि एक युवक दमकौरा रोड स्थित मुकुल गैस एजेंसी के सामने खाली स्थान पर हेरोइन बेचने की फिराक में खड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पुलिस टीम को देखकर युवक भागने का प्रयास करने लगा, जिसे तत्परता से काबू कर लिया गया। आरोपी की पहचान अजय उर्फ अज्जु पुत्र राजकुमार उर्फ बल्ली निवासी किला मोहल्ला, टोहाना के रूप में हुई। नियमानुसार राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी ली गई, जिसमें आरोपी के कब्जे से 8.60 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

इस संबंध में आरोपी के विरुद्ध अभियोग संख्या 25 दिनांक 15.01.2026 एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। नशा सप्लाई नेटवर्क से जुड़े अन्य पहलुओं की भी गहनता से जांच की जा रही है।

चिड़ावा में भक्ति का रेला, 21 जनवरी से शुरू होगा तीन दिवसीय 26वां वसंत महोत्सव

551 केसरिया निशानों के साथ निकलेगी भव्य शोभायात्रा, कोलकाता के फूलों से महकेंगे बाबा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

शहर में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर भक्ति और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। श्री श्याम नवयुवक मित्र मण्डल के तत्वावधान में आयोजित होने वाले 26वें तीन दिवसीय वसंत महोत्सव का आगाज 21 जनवरी से होगा। आयोजन को लेकर शुक्रवार को मित्र मण्डल के सदस्यों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क कर ग्रामीणों और श्रद्धालुओं को महोत्सव का भावभरा निमंत्रण दिया। महोत्सव का शुभारंभ बुधवार, 21 जनवरी को अडूकिया स्कूल के पास स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में सुबह 11:15 बजे 551 निशानों की पूजा के साथ होगा। इसी शाम 6:15 बजे से विशाल भजन संध्या और नृत्य नाटिका आयोजित की जाएगी, जिसमें जयपुर की सोनिया शर्मा और दिल्ली के कुमार प्रवीण अपनी मधुर आवाज में बाबा के भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। महोत्सव के दूसरे दिन 22 जनवरी को दोपहर 12:15 बजे महिला मित्र मण्डल द्वारा श्री श्याम पाठ किया जाएगा। शाम 7:15 बजे से श्री श्याम प्रभु का 49वां मूर्ति स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दौरान कोलकाता के विशेष फूलों से बाबा का दिव्य श्रृंगार और छप्पन भोग का प्रसाद मुख्य आकर्षण रहेगा। कोलकाता के प्रसिद्ध भजन गायक कुमार गौरव पारीक और स्थानीय कलाकार राजू जोशी एंड पार्टी भजनों के जरिए हाजिरी लगाएंगे।

महोत्सव के अंतिम दिन शुक्रवार, 23 जनवरी को सुबह 9:00 बजे श्री महाकालेश्वर मंदिर से पुरानी बस्ती स्थित श्री श्याम मंदिर तक भव्य निशान शोभायात्रा निकाली जाएगी। यात्रा में 551 केसरिया निशान, बाहुबली हनुमान, बाहुबली गोरिला और सिरसा के रामु राजस्थानी (मलंग पागल बाबा) की जीवंत झांकियां शामिल होंगी। बॉम्बे नासिक का प्रसिद्ध नरेश ढोलक ग्रुप और दिल्ली के बंटी तिलकधारी एंड पार्टी के कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। पूरे नगर को रंग-बिरंगे गुब्बारों और भव्य आतिशबाजी से सजाया जाएगा। 23 जनवरी को ही सुबह 11:15 बजे से शाम 6:00 बजे तक पुरानी बस्ती स्थित श्री श्याम मंदिर गेस्ट हाउस में विशाल भंडारे का आयोजन होगा। श्री श्याम हरि कीर्तन मण्डल और नवयुवक मित्र मण्डल ने सभी श्रद्धालुओं से इस महोत्सव में सहभागी बनने की अपील की है।

हरसोलिया ने किया जरूरतमंद परिवारों को फल वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

शहर के ग्राम टांकरडा निवासी समाज सेवी सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया की ओर से मकर संक्रांति पर ग्राम के मुख्य मार्गों पर बच्चों व आने-जाने वाले लोगों को फल वितरण किए। साथ ही दुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले परिवारों को केले वितरिण किए। इस दिन 90 किलों केले वितरण किए। हरसोलिया ने कहा कि हमे हमेशा गरीबों, बेसहारा व जरूरतमंद परिवारों की हर संभव मदद करनी चाहिए। जरूरतमंद परिवारों की सेवा करना पुण्य का कार्य है। वार्ड पंच दीपक नुवाल, सुमन वर्मा, जितेंद्र हरसोलिया, मुकेश नुवाल, विरेन्द्र सिंह हरसोलिया, संजय प्रजापत, राहुल वर्मा, नरेन्द्र हरसोलिया, शुभम हरसोलिया, मनीषा, मनीष, प्रेरणा, अंशिका हरसोलिया ने फल वितरण में सहयोग दिया।

बेलाबाई एम मोरारका विद्यामंदिर में आयोजित हुआ कौशल विकास प्रशिक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । सी.पी.आर. प्राथमिक उपचार के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राजकीय जिला चिकित्सालय नवलगढ़ की टीम डॉ. प्रवीण कुमार, वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं सुनील एचरा सीनियर नर्सिंग ऑफिसर द्वारा विद्यार्थियों व अध्यापकों का कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। सी.पी.आर.: कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन एक आपातकालीन प्रक्रिया है जिसमें छाती को दबाना और बचाव साँसे लेना शामिल है। यह हृदयाघात के लिए एक जीवनरक्षक उपाय है। इस मौके पर विद्यालय स्टॉफ तथा विद्यार्थी शामिल रहें।

फतेहाबाद जिले के लघु सचिवालय को बम से उड़ानें की धमकी

ढाई घंटे बाद तक जांच के बाद कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर ली राहत की सांस,हालात सामान्य

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । जिले के लघु सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से शुक्रवार की सुबह प्रशासन में हड़कंप मच गया। एहतियातन लघु सचिवालय को तत्काल सील कर दिया गया और वहां कार्यरत सभी कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल गया। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर जांच अभियान चलाया गया। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 8 बजे डीसी की आधिकारिक ई- मेल आईडी पर धमकी भरा मेल प्राप्त हुआ, जिसमें लघु सचिवालय को बम से उड़ाने की बात कही गई थी। इसके बाद जिला प्रशासन ने हिसार से बम निरोधक दस्ता बुलाकर पुलिस के साथ मिलकर सघन जाँच अभियान चलाया। करीब ढाई घंटे तक चली जांच के बाद जब कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, तो लघु सचिवालय में दोबारा आवाजाही शुरू कर दी गई, जिससे आमजन और कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। फिलहाल डीसी डॉ. विवेक भारती ट्रेनिंग पर हैं, ऐसे में एडीसी अनुराग ढालिया कार्यवाहक डीसी के तौर पर व्यवस्थाएं संभाल रहे हैं। एसपी सिद्धांत जैन ने बताया कि यह मेल डीसी की ऑफिशियल मेल आईडी पर आउटलुक के माध्यम से वीपीएन का उपयोग कर भेजी गई है। प्रारंभिक जांच में इसका फतेहाबाद या हरियाणा से कोई सीधा संबंध नहीं मिला है। मेल की लोकेशन तमिलनाडु साइड की प्रतीत हो रही है, जैसा कि पहले भी सामने आया था। मामले को लेकर आउटलुक को भी सूचना भेजकर विवरण मांगा गया है। धमकी भरी मेल हिंदी भाषा में भेजी गई थी, जिसमें जुम्मे के दिन बम विस्फोट और बचने पर आत्मघाती हमले की बात लिखी गई थी। गौरतलब है कि इससे पहले भी 21 मई 2025 को इसी तरह की धमकी फतेहाबाद लघु सचिवालय को मिल चुकी है, जो बाद में फर्जी (बोगस) निकली थी। पुलिस द्वारा मामले की गहन जांच की जा रही है।

विराट हिन्दू सम्मेलन की तैयारी को लेकर बैठक का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । कस्बे के वार्ड नंबर 4 स्थित स्टूडेंट कोचिंग सेंटर में नगर की फूले बस्ती के प्रबुद्धजनों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से फूले बस्ती में 25 जनवरी को विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। यह सम्मेलन सकल हिन्दू समाज के बैनर तले आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम संपन्न होंगे। सम्मेलन के दौरान महिलाओं द्वारा कलश यात्रा, हवन, तथा खेलकूद की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही पंच परिवर्तन का पालन करने वाले परिवारों का सम्मान किया जाएगा तथा आकर्षक झांकियां भी निकाली जाएंगी। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खंड कार्यवाह विनोद कुमार जाखड़ ने पंच परिवर्तन की अवधारणा पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही सम्मेलन को सफल बनाने के लिए कार्यक्रम आयोजन समिति का गठन भी किया गया। बैठक में मोहन

लाल चूड़ीवाल, हरीश शर्मा, मेजर डी.पी. शर्मा, फूलचंद शर्मा, हरिराम सैनी, पंकज सैनी, सुरेंद्र सिंगोदिया, दिनेश चंदेल, लखन बेड़वाल, रणजीत सैनी, मुकेश सैनी, नरेश हिन्दू, मुकेश शर्मा, प्रकाश सैनी, प्रभु सैनी, चंडीप्रसाद शर्मा, रविन्द्र सैनी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। महिला सहभागिता में पूजा सैनी, श्रद्धा व्यास, उज्ज्वला, मानसी देवी, मंजू देवी, सरिता देवी सहित काफी संख्या में मातृ- शक्ति बैठक में शामिल हुईं।

महिला थाना फतेहाबाद में योग शिविर का आयोजन पुलिस कर्मियों को तनावमुक्त रखने पर जोर

आयुष विभाग द्वारा शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को लेकर विशेष पहल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में आयुष विभाग के सहयोग से महिला पुलिस थाना, फतेहाबाद में शुक्रवार को एक विशेष योग शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य पुलिस कर्मियों को मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रखते हुए उन्हें तनावमुक्त कार्यशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। योग शिविर के दौरान आयुष विभाग के योग शिक्षक सुरेंद्र कुमार द्वारा थाना स्टाफ को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया गया। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि मानसिक एकाग्रता, तनाव नियंत्रण तथा कार्यक्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होती है, जो पुलिस जैसी चुनौतीपूर्ण सेवा में अत्यंत आवश्यक है।

योग शिक्षक ने पुलिस कर्मियों को दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करने की सलाह देते हुए कहा कि कम समय में किए जाने वाले सरल योगाभ्यास भी दीर्घकालिक रूप से महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। शिविर के दौरान उपस्थित स्टाफ ने पूरे मनोयोग से योगाभ्यास किया और इसे नियमित रूप से अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महिला थाना फतेहाबाद की एडिशनल एसएचओ पीएसआई प्रियंका, सहायक उपनिरीक्षक सुशीला, एमएचसी कविता सहित थाना का अन्य पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने आयुष विभाग द्वारा आयोजित इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के योग शिविर पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य एवं कार्यक्षमता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

स्वदेशी मेला सूरजगढ़-2026 का भव्य उद्घाटन आज दोपहर 1 बजे

17 से 26 जनवरी तक चलेगा स्वदेशी मेला आत्मनिर्भर भारत का देगा सशक्त संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

स्वदेशी जागरण मंच एवं नगर पालिका सूरजगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित स्वदेशी मेला सूरजगढ़-2026 का भव्य उद्घाटन आज दोपहर 1 बजे मेला परिसर नया बस स्टैंड सूरजगढ़ में किया जाएगा यह मेला 17 जनवरी से 26 जनवरी तक आयोजित होगा जिसमें स्वदेशी उत्पादों आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण का सशक्त संदेश दिया जाएगा उद्घाटन समारोह के मुख्य वक्ता स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संगठन मंत्री कश्मीरी लाल होंगे। मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार के शहरी विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह स्वर्य उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक महेन्द्र सिंह मग्गो करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान वित्त आयोग अध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच आरएसएस के विभाग संघचालक माननीय अशोक सिंह शेखावत तथा स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत समन्वयक लोकेंद्र सिंह नरूका की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। उद्घाटन से पूर्व आयोजन समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें मेला व्यवस्थाओं सुरक्षा स्टॉल व्यवस्था सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा प्रचार प्रसार की रूपरेखा पर चर्चा की गई। बैठक में प्रांत समन्वयक लोकेंद्र सिंह नरूका, खंड संघचालक सुरेन्द्र सिंह तंवर, नगर पालिकाध्यक्ष पुष्पा गुप्ता, पूर्व सांसद संतोष अहलावत, पूर्व विधायक सुभाष पुनिया, विभाग सह संयोजक ब्रह्मदत्त मीणा, मेला संयोजक एडवोकेट विक्रम सिंह, मेला सह संयोजक संदीप शर्मा, सेवाराम गुप्ता, लोकतंत्र सेनानी सज्जन कुमार अग्रवाल, विकास शर्मा (लोटियावाला) निवर्तमान प्रधान बलवान सिंह, विनोद शर्मा (मास्टर) भारत स्वाभिमान जिला प्रभारी रामपाल सिंह सिहाग, विकास भालोठिया, विनोद खेतान पतंजलि मीडिया प्रभारी मनोहर लाल जांगिड़, भाजपा मंडल अध्यक्ष कृष्ण सैनी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहें। इसके अलावा संतोष कुमावत राजेंद्र सौकरिया सजन जांगिड़ संदीप शर्मा अशोक शर्मा मनोज शर्मा संजय गोयल राहुल जेदिया राजकुमार सैनी आनंद डैला अमित बिजारणिया विजय चोयल महेश जांगिड़ रविन्द्र जांगिड़ शर्मीला डैला मनीषा सैनी सुनील शेखावत सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने आयोजन को सफल बनाने के लिए जिम्मेदारियां संभाली मेला संयोजक एडवोकेट विक्रम सिंह ने बताया कि मेले में स्वदेशी उत्पादों के स्टॉल हस्तशिल्प आयुर्वेदिक व प्राकृतिक उत्पाद ग्रामीण उद्योगों के उत्पाद तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियां होंगी मेले का उद्देश्य स्थानीय कारीगरों लघु उद्योगों और स्वदेशी उद्यमियों को प्रोत्साहन देना है। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर स्वदेशी मेला सूरजगढ़-2026 को सफल बनाएं और स्वदेशी अपनाओ देश बचाओ के संदेश को सशक्त करें

शिक्षा का उजास फैलाने वाले महान समाज सुधारक शेर सिंह नेहरा की चतुर्थ पुण्यतिथि आज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

हरेश पंवार । शिक्षा, साहित्य और समाज सेवा के क्षेत्र में अमिट योगदान देकर समाज को नई दिशा देने वाले नोबल एजुकेशन ग्रुप के संस्थापक एवं महान समाज सुधारक स्वर्गीय शेर सिंह नेहरा की चतुर्थ पुण्यतिथि आज श्रद्धा, सम्मान और भावपूर्ण स्मरण के साथ

स्व. एस.एस नेहरा, सेवानिवृत पीआरओ

मनाई जा रही है। इस अवसर पर उनके स्मारक स्थल नोबल एजुकेशन संस्थान, देवलावास में प्रतिवर्ष की भांति श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जहां शिक्षा प्रेमियों, ग्रामीणजनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उन्हें नमन किया।स्वर्गीय शेर सिंह नेहरा का जन्म 15 अगस्त 1947 को ग्राम देवलावास में हुआ था। उन्होंने हरियाणा सरकार में लोक जनसंपर्क अधिकारी के पद पर रहते हुए न केवल प्रशासनिक सेवाएं दीं, बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्व को भी पूरी निष्ठा से निभाया। जहां शिक्षा का अभाव था, वहां शिक्षा का उजास फैलाना ही उनके जीवन का संकल्प बन गया। इसी उद्देश्य को साकार करने के लिए उन्होंने ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में नोबल एजुकेशन ग्रुप की नींव रखी और शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाया। उनका निधन 17 जनवरी 2022 को हुआ, लेकिन उनके विचार और कार्य आज भी समाज को दिशा दे रहे हैं।

उनके अधूरे सपनों और विचारों को आगे बढ़ाने का कार्य उनके सुपुत्र एवं नोबल एजुकेशन ग्रुप के निदेशक इंजीनियर संदीप नेहरा द्वारा पूरी प्रतिबद्धता से किया जा रहा है। प्रतिभाओं का सम्मान, बुजुर्गों का आशीर्वाद, किसान सम्मेलन के माध्यम से अन्नदाता का गौरव, श्रमिक सम्मान अभियान तथा युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन–ये सभी पहल उनके पिता की विचारधारा का जीवंत उदाहरण हैं। स्वर्गीय नेहरा का जीवन सरलता, सादगी और समाज के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा। वे दृढ़ता से मानते थे कि शिक्षा ही ऐसा साधन है, जो बिना किसी स्वार्थ के समाज को सशक्त बना सकती है। इसी जुनून में उन्होंने नौकरी से त्यागपत्र दिया और अपने पुत्र के साथ पैतृक गांव लौटकर शिक्षा के माध्यम से सामाजिक नवजागरण का बीड़ा उठाया। उस समय देवलावास क्षेत्र शिक्षा में पिछड़ा हुआ था, लेकिन आज वही क्षेत्र शिक्षा के मानचित्र पर एक नई पहचान बना चुका है। लेखन, पर्यावरण संरक्षण और किसानों के प्रति उनकी वैज्ञानिक सोच भी उल्लेखनीय रही। वे किसानों को इलेक्ट्रोड छड़ के माध्यम से भूगर्भ जल स्तर का अनुमान लगाकर कुएं खोदने की निशुल्क सलाह दिया करते थे। पेड़-पौधारोपण, स्वच्छता अभियान और प्रकृति संवर्धन में उनकी सक्रिय भूमिका आज भी प्रेरणास्रोत है। आज देवलावास से पचेरी सड़क मार्ग पर स्थित नोबल प्लेग्राउंड में बना उनका भव्य स्मृति मंच आने वाली पीढ़ियों को दिशा और दशा बदलने का संदेश देता है। स्वर्गीय शेर सिंह नेहरा द्वारा किए गए सामाजिक कार्य आज भी समाज को सुगंधित कर रहे हैं और उनके विचार समय के साथ और अधिक प्रासंगिक होते जा रहे हैं। भीम प्रज्ञा पाठक परिवार की ओर से ऐसे महान शिक्षाविद्, समाज सुधारक और प्रेरणापुरुष को चतुर्थ पुण्यतिथि पर भावभीनी शाब्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। उनकी स्मृतियां सदैव हमें शिक्षा, सेवा और समर्पण के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रहेंगी।

अपने नक्शे कदम पर गंभीर मुद्रा में कदम बढ़ाते संदीप नेहरा की जिज्ञासा को समझते हुए तथा पूर्ण आत्मविश्वास के साथ अपने उत्तरदायित्व की जिम्मेवारी सौंपने के भाव से पीछे से मुस्कुराते हुए नोबल एजुकेशन ग्रुप के संस्थापक शेर सिंह नेहरा।

रोहित शर्मा का अपमान ! गौतम गंभीर-अजीत अगरकर ने की नाइंसाफी? पूर्व क्रिकेटर ने खोला मोर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनोज तिवारी ने रोहित शर्मा को भारत की वनडे कप्तानी से हटाए जाने की कड़ी आलोचना की है और संकेत दिया है कि इस फैसले में मुख्य कोच गौतम गंभीर की भूमिका रही है। 37 वर्षीय तिवारी और गंभीर के बीच पहले भी मतभेद रहे हैं और माना जा रहा है कि यह दोनों के बीच बदले की भावना का नतीजा है। उनका मानना है कि रोहित की फॉर्म और अनुभव को देखते हुए अचानक कप्तानी बदलना उनके प्रति अनादर का प्रतीक है।

जून 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय और पिछले साल मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी रोहित भारत की वनडे टीम के अहम सदस्य बने रहे और उन्हें उम्मीद थी कि 2027 विश्व कप से पहले वे अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर पहुंच जाएंगे। लेकिन जब भारत ने अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा की, तो शुभमन गिल को कप्तान बनाया गया। यह एक चौंकाने वाला और कुछ हद तक विवादास्पद कदम था, जिसने पूरे देश के क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय बना दिया। यह और भी उल्लेखनीय था क्योंकि रोहित ने अपने कार्यकाल का शानदार अंत किया था - पिछले महीने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में जीत कप्तान के रूप में उनका आखिरी मैच था।

तिवारी ने स्पोर्ट्स टुडे को बताया कि मुझे नहीं पता कि इसका मुख्य कारण क्या है। लेकिन अजीत अगरकर को जानते हुए, वह एक प्रभावशाली व्यक्तित्व हैं। वह निर्णय लेने वाले व्यक्ति हैं। ऐसे कदम उठाने में वह पीछे नहीं हटेंगे। लेकिन क्या उन्हें किसी ने प्रभावित किया था जिसके कारण उन्होंने यह फैसला लिया, यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर हमें गौर करने की जरूरत है। पर्दे के पीछे बहुत कुछ होता है, जिससे मामला पेचीदा हो जाता है। हो सकता है कि यह फैसला मुख्य चयनकर्ता ने लिया हो और उन्होंने इस बारे में खुलकर अपनी राय रखी हो। स्वाभाविक रूप से, कोच की भी इसमें भूमिका रही होगी। कोई भी व्यक्ति अकेले यह फैसला नहीं ले सकता। जो भी फैसला लिया गया है, उसके लिए दोनों बराबर जिम्मेदार हैं।

उन्होंने आगे कहा कि देखिए, मेरी राय में प्लेइंग इलेवन के चयन में बहुत असंगति रही है। अगर मुझे बिल्कुल स्पष्ट कहना हो, तो वनडे मैच देखने में मेरी रुचि कम हो गई है। हाल ही में जो कुछ हुआ है, जैसे टी20 विश्व कप विजेता कप्तान और चैंपियंस ट्रॉफी विजेता कप्तान को कप्तानी से हटाकर नए कप्तान को सौंप देना, जो मुझे लगता है कि जरूरी नहीं था। मैं रोहित के साथ खेल चुका हूं। हमारा एक खास रिश्ता है, इसलिए मुझे यह सब ठीक नहीं लगा। मुझे लगा कि यह उस क्रिकेटर का अपमान है जिसने

दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों को इतना कुछ दिया है। उसी दिन से मेरी रुचि थोड़ी कम हो गई। बहुत सारे विवाद हैं, और मुझे लगता है कि यह सब स्पष्टता की कमी के कारण हो रहा है।

हैमर थ्रो खिलाड़ी तान्या ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया लेकिन नहीं होगा रिकॉर्ड बुक में दर्ज

मंगलुरू (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय एथलीट तान्या चौधरी ने 85वीं अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप में शुक्रवार को महिला हैमर थ्रो में नया रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक जीता लेकिन उनका यह प्रयास रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो सका क्योंकि इस टूर्नामेंट को राष्ट्रीय महासंघ से मान्यता नहीं मिली है।

तान्या ने खुद स्वीकार किया है कि टूर्नामेंट के लिये उनका डोप टेस्ट भी नहीं हुआ था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा राष्ट्रीय रिकॉर्ड की मान्यता के लिए प्रतिस्पर्धा के दौरान डोप टेस्ट जरूरी है। तान्या ने 65.60 मीटर का थ्रो फेंककर सरिता सिंह का 9 साल पुराना 65.25 मीटर का रिकॉर्ड तोड़ा। एएफआई अंतर विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप को मान्यता नहीं देता है। तान्या ने 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में भाग लिया था और वह सातवें स्थान पर रही थी।

उन्होंने कहा, 'मुझे 67 मीटर की उम्मीद थी। इस सत्र का लक्ष्य 70 मीटर है और मैं उसकी तैयारी में जुटी हूं। आज डोप टेस्ट नहीं हुआ था लेकिन राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी मेरा नमूना कभी भी, कहीं भी ले सकती है। चूंकि यह विश्व एथलेटिक्स से मान्यता प्राप्त स्पर्धा नहीं है तो यह राष्ट्रीय रिकॉर्ड नहीं माना जाएगा लेकिन टूर्नामेंट का रिकॉर्ड है।% लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की एशियाई चैम्पियन पूजा सिंह ने ऊंची कूद में 1.85 मीटर का टूर्नामेंट रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक जीता।

विराट सबसे अधिक समय तक नंबर एक पर रहने वाले विश्व के तीसरे बल्लेबाज बने

-रिचर्ड्स और लारा है पहले और दूसरे नंबर पर

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने पहले वाले आंकड़े में बदलाव करते हुए कहा है कि भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अपने करियर में 825 नहीं बल्कि कुल 1,547 दिन नंबर एक बल्लेबाज रहे हैं। इसके साथ ही विराट एकदिवसीय रैंकिंग में सबसे अधिक समय तक शीर्ष पर रहने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गये हैं। अब केवल वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी विव रिचर्ड्स ही 2,306 दिन और ब्रायन लारा ही 2,079 दिन के साथ ही उनसे आगे हैं। आईसीसी ने अपने ताजा अपडेट में लिखा, 'विराट अक्टूबर 2013 में पहली बार एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे थे और अब तक कुल 1547 दिन नंबर 1 स्थान रहे हैं, ये किसी भी अन्य भारतीय बल्लेबाज से ज्यादा समय है। वहीं विश्व स्तर पर सूची में वह तीसरे नंबर पर हैं, इस सूची में नंबर एक पर वेस्टइंडीज के दिग्गज विवियन रिचर्ड्स हैं, जो 2,306 दिनों तक शीर्ष पर रहे थे जबकि ब्रायन लारा 2,079 दिन के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं।' इस बदलाव से अब विराट कई दिग्गज खिलाड़ियों से आगे निकल गए हैं और लंबे समय तक शीर्ष पर रहने के मामले में रिचर्ड्स और लारा के बाद तीसरे नंबर पर आ गए हैं।

बीबीएल में स्टीव स्मिथ का तूफान, 107 मीटर के सिक्स सहित जड़ा रिकॉर्डतोड़ शतक

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सिर्फ क्लासिक बल्लेबाज़ ही नहीं, बल्कि आधुनिक टी20 क्रिकेट के सबसे खतरनाक हिटर भी हैं। बिग बैश लीग 2025-26 के सिडनी डर्बी में स्मिथ ने ऐसी पारी खेली जिसने दर्शकों को हैरान और गेंदबाजों को बेबस कर दिया। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर थंडर के खिलाफ खेलते हुए, सिक्सर्स के कप्तान ने टूर्नामेंट इतिहास का संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज़ शतक जड़कर मुकाबले की पूरी कहानी बदल दी।

41 गेंदों में शतक, BBL इतिहास में खास मुकाम

स्टीव स्मिथ ने सिर्फ 41 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो BBL के इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज़ शतक है। इससे पहले 2024 में जोश ब्राउन ने भी इतनी ही गेंदों में सेंचुरी बनाई थी। केवल क्रेग सिमंस और मिशेल ओवेन ही ऐसे बल्लेबाज़ हैं जिन्होंने 39 गेंदों में शतक जड़कर स्मिथ से तेज यह उपलब्धि हासिल की है। यह शतक न सिर्फ तेज था, बल्कि स्मिथ के करियर की सबसे आक्रामक पारियों में से एक माना जा रहा है।

107 मीटर का छक्का बना मैच का सबसे बड़ा आकर्षण

मैच का सबसे यादगार पल चौथे ओवर में आया, जब स्मिथ ने नाथन मैकएंड्रयू की गेंद पर फ्रंट फुट हटाकर मिड-विकेट के ऊपर 107 मीटर लंबा छक्का जड़ दिया। यह छक्का पूरे स्टेडियम में चर्चा का विषय बन गया और सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हुआ। स्मिथ की फुटवर्क, टाइमिंग और ताकत का यह शानदार मिश्रण गेंदबाजों के लिए चेतावनी बन गया।

सिक्सर्स के लिए सबसे तेज BBL शतक

स्मिथ ने इस पारी के साथ सिडनी सिक्सर्स के लिए सबसे तेज़ BBL शतक का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। उन्होंने 2023 में थंडर के खिलाफ बनाए गए 56 गेंदों के अपने ही पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। वह 42 गेंदों में 100 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें पांच चौके और नौ गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उनकी पारी का अंत लेग स्पिनर तनवीर संघा ने किया।

एक ओवर में 32 रन, BBL का सबसे महंगा ओवर

12वें ओवर में स्मिथ ने ryan हैडली की गेंदों पर 32 रन ठोक दिए, जो BBL इतिहास का सबसे महंगा ओवर बन गया। इस ओवर में उन्होंने तीन छक्के, एक चौका और शानदार टाइमिंग के साथ रन बटोरे। इस ओवर ने मैच को पूरी तरह सिक्सर्स के पक्ष में झुका दिया।

190 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल

स्मिथ की विस्फोटक बल्लेबाज़ी की बदौलत सिडनी सिक्सर्स ने 190 रन का लक्ष्य सिर्फ पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। स्मिथ ने मात्र 23 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर रन चेज की नींव रखी। बाबर आजम ने 47 रनों की संयमित पारी खेली, जबकि लैचलान शॉ और जैक एडवर्ड्स के छोटे लेकिन अहम योगदान ने जीत को आसान बना दिया। सिक्सर्स ने 16 गेंदें शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया।

डेविड वॉर्नर की सेंचुरी गई बेकार

सिडनी थंडर की ओर से डेविड वॉर्नर ने शानदार शतक लगाया और 65 गेंदों में 110 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई ठोस समर्थन नहीं मिला। निक मैडिनसन और सैम बिलिंग्स ने कोशिश की, लेकिन टीम बड़ी साझेदारी नहीं बना सकी। अंत में स्मिथ की विस्फोटक पारी के सामने वॉर्नर की मेहनत फीकी पड़ गई और सिक्सर्स ने सिडनी डर्बी में दबदबे के साथ जीत दर्ज की।

रोजर फेडरर रॉड लेवर एरिना में लौटे, रूड के साथ किया अभ्यास

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपनी आखिरी उपस्थिति के छह साल बाद रोजर फेडरर मेलबर्न के कोर्ट पर वापस आ गए हैं। स्विस दिग्गज शुक्रवार को 2020 के बाद पहली बार कैस्पर रूड के साथ प्रैक्टिस सेशन के लिए रॉड लेवर एरिना लौटे। फेडरर ने 2022 में प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास ले लिया था, अपने करियर में रूड का सामना सिर्फ एक बार किया था। उनकी एकमात्र लेक्सस हेड2हेड भिड़ंत 2019 में रौलां गैरो के चौथे राउंड में हुई थी, जब फेडरर ने नॉर्वेजियन खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराया था। 44 साल के खिलाड़ी ने अपने 20 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से छह ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीते हैं। टूर्नामेंट में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 102-15 है। उन्होंने आखिरी बार 2020 में मेलबर्न में खेला था, जब वह सेमीफाइनल में आखिरकार चैंपियन बने नोवाक जोकोविच से हार गए थे। फेडरर शनिवार को रॉड लेवर एरिना में टूर्नामेंट के पहले उद्घाटन समारोह के हिस्से के रूप में एक प्रदर्शनी मैच खेलने वाले हैं, जिसमें तीन अन्य एटीपी नंबर 1 क्लब सदस्य भी शामिल होंगे- आंद्रे अगासी, पैट्रिक राफ्टर और लेटन हेविट।

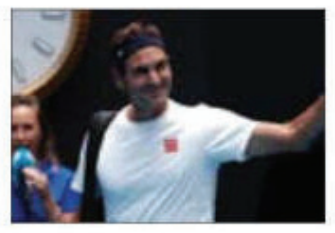

सीएसके ने इस कारण सैमसन को खरीदा : हनुमा

मुम्बई। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज हनुमा बिहारी ने खुलासा किया है कि संजू सैमसन को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने इसलिए टीम में लिया क्योंकि दक्षिण में उनके प्रशंसकों की काफी तादाद है। हनुमा ने कहा कि आईपीएल मालिकों की नजर में ये टूर्नामेंट खेल से कहीं बढ़कर हैं। वे इसमें अपने कारोबारी के फायदे पर भी नजर रखते है। ऐसे में सैमसन को शामिल करना उसके लिए जरुरी थी। सैमसन को ओपनर होने के कारण खरीदने की बातें सही नहीं हैं। इसका कारण है कि सीएसके के पास पहले से ही कई ऐसे बल्लेबाज हैं जो पारी की शुरुआत कर सकते हैं। एक वीडियो में हनुमा ने कहा कि सैमसन के फैनबेस के कारण ही उन्हें लेने का दबाव सीएसके पर पड़ा था। टीमों के इस बात पर काफी ध्यान देते हैं कि एक खिलाड़ी टीम के लिए कितना कारोबार ला सकता है उन्होंने आगे कहा, सैमसन जहां भी मैच खेले जाते हैं, केरल के फैंस वहां पहुंच जाते हैं और उनका हौंसला बढ़ाते हैं। जहां तक ओपनर की बात है सीएसके के पास रुतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे हैं। ऐसे में सैमसन को नंबर 3 पर ही उतारा जाना तय है।

टी20 विश्व कप 2026 : आईसीसी का प्रतिनिधिमंडल कर सकता है बंगलादेश का दौरा

ढाका (एजेंसी)। सात फरवरी से भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्वकप में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) का प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए बंगलादेश का दौरा कर सकता है। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने गुरुवार को फॉरेन सर्विस एकेडमी में मीडिया से बातचीत में यह बात कही।

आसिफ नजरुल ने कहा, 'नए अपडेट के अनुसार BCB अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने मुझे बताया कि चर्चा के लिए ICC की एक टीम बंगलादेश आ सकती है। हमारे रुख में बदलाव की कोई संभावना नहीं है। हम विश्व कप में खेलने के लिए उत्सुक हैं, खासकर श्रीलंका में और मुझे पूरा भरोसा है कि इसका आयोजन करना असंभव नहीं

है।' बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि ICC के साथ बातचीत चल रही है, हालांकि दौरे का समय अभी तय नहीं है।

अधिकारी ने द डेली स्टार को बताया, 'हम बातचीत कर रहे हैं, और एक प्रतिनिधिमंडल आने वाला है, लेकिन सही तारीख तय नहीं हुई है। हम संपर्क में हैं, लेकिन समय तय नहीं है।' यह डेवलपमेंट पिछले मंगलवार को BCB लीडरशिप और ICC के बीच हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस के बाद हुआ है।

बैठक के बाद बोर्ड ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए टूर्नामेंट के लिए भारत न जाने के अपने फैसले को दोहराया और बंगलादेश के मैचों को भारत से बाहर स्थानांतरित करने फिर से अनुरोध किया। हालांकि ICC ने BCB से अपने रुख पर फिर से विचार करने का आग्रह किया, लेकिन बोर्ड अपने रुख पर कायम रहा। हालांकि दोनों पक्ष टूर्नामेंट में बंगलादेश की भागीदारी के बारे में 'संभावित समाधान खोजने' के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए।

एडिलेड इंटरनेशनल : फाइनल में विक्टोरिया म्बोको के साथ खेलेंगी उभरती हुई स्टार मिरर एंड्रीवा

कैनबरा। रूस की मिरर एंड्रीवा एडिलेड इंटरनेशनल के फाइनल में कनाडा की विक्टोरिया म्बोको के साथ खेलेंगी। यह मैच महिला टेनिस टूर में सबसे ज्यादा रैंक वाली टीनएजर खिलाड़ियों के बीच होगा। दुनिया की नंबर 8 एंड्रीवा, जो एडिलेड में तीसरी सीड हैं, ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन वार्म-अप इवेंट के सेमीफाइनल में अपनी हमवतन और डबल्स पार्टनर डायना श्नाइडर को 6-3, 6-2 से हराकर शनिवार के फाइनल में जगह बनाई, जहाँ उनका मुकाबला 17वीं रैंक वाली म्बोको से होगा। यह WTA टूर पर एंड्रीवा (18) और म्बोको (19) के बीच पहला मैच होगा। ये दोनों ही टीनएजर खिलाड़ी फिलहाल दुनिया की टॉप 25 महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं। एंड्रीवा ने एडिलेड में अपने तीनों मैचों में एक भी सेट नहीं हारा है और हर मैच में उनकी सर्विस सिर्फ एक बार टूटी है। शुक्रवार को रूसी खिलाड़ी ने श्नाइडर की तुलना में नौ ज़्यादा विनर्स लगाए और 10 कम अनफोर्स्ड एरर किए, जो फिलहाल दुनिया में 23वें स्थान पर हैं। कनाडा की विक्टोरिया म्बोको ने स्ट्रेलिया की किम्बर्ली बिरेल को सीधे सेटों में हराकर एडिलेड इंटरनेशनल के फाइनल में जगह बनाई। वर्ल्ड नंबर 17 म्बोको ने ऑस्ट्रेलियन ओपन वार्म-अप इवेंट के सेमीफाइनल में अपना दबदबा बनाया और सिर्फ 59 मिनट में 6-2, 6-1 से जीत हासिल की। एंड्रीवा शनिवार के फाइनल में अपने चौथे डब्ल्यूटीए टूर सिंगल्स खिताब के लिए खेलेंगी, जबकि म्बोको अपने तीसरे खिताब के लिए खेलेंगी।

महिला क्रिकेट में बदलाव की मांग : न्यूजीलैंड की क्रिकेटर ने फील्डिंग नियमों और बाउंड्री साइज पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला क्रिकेट तेजी से बदल रहा है। खेल की रफ्तार, खिलाड़ियों की ताकत और दर्शकों की दिलचस्पी तीनों में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। इसी बदलते परिदृश्य के बीच न्यूजीलैंड की कप्तान और अनुभवी ऑलराउंडर सोफी डिवाइन ने मौजूदा फील्डिंग नियमों और बाउंड्री के आकार को लेकर अहम सवाल खड़े किए हैं। उनका मानना है कि वर्तमान परिस्थितियां बल्लेबाजों के पक्ष में अत्यधिक झुकी हुई हैं, जिससे गेंदबाजों के लिए संतुलन बनाना मुश्किल हो गया है। डिवाइन की यह टिप्पणी महिला क्रिकेट में संभावित सुधारों पर एक नई बहस को जन्म दे सकती है।

फील्डिंग नियमों पर दोबारा विचार की जरूरत

फिलहाल महिला क्रिकेट में नॉन-पावरप्ले ओवरों के दौरान इनर सर्कल के बाहर सिर्फ चार फील्डर रखने की अनुमति है। यह नियम ज्यादा रन और बाउंड्री को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू किया गया था। हालांकि, सोफी डिवाइन का मानना है कि खेल अब उस स्तर तक पहुंच चुका है जहां इस नियम की समीक्षा जरूरी हो गई है। डिवाइन के अनुसार, बल्लेबाजों की पावर और शॉट-मेकिंग क्षमता में जिस तरह का इजाफा हुआ है, उसे देखते हुए बाहर पांच फील्डर रखने की इजाजत देने से खेल की प्रतिस्पर्धा पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा।

छोटी बाउंड्री से गेंदबाजों पर बढ़ता दबाव

महिला प्रीमियर लीग (WPL) में बाउंड्री की अधिकतम लंबाई 60 मीटर तय की गई है, जबकि पुरुष क्रिकेट में यह दूरी 70 से 77 मीटर तक होती है। डिवाइन का मानना है कि छोटी

बाउंड्री और सीमित फील्डिंग विकल्पों का मेल गेंदबाजों के लिए मुश्किलें बढ़ा देता है। उन्होंने कहा कि खासकर सपाट पिचों पर गेंदबाजों के पास गलती की गुंजाइश बेहद कम रह जाती है, क्योंकि हल्की सी चूक भी आसानी से बाउंड्री में तब्दील हो जाती है।

अमन मोखाड़े ने रचा इतिहास, लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बने

बेंगलुरु (एजेंसी)। विदर्भ के 24 साल के ओपनर अमन मोखाड़े के लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बनने का इतिहास रचने के बाद क्रिकेट की दुनिया में हलचल मच गई है। सिर्फ 16 इनिंग्स में यह उपलब्धि हासिल करते हुए मोखाड़े ने देवदत्त पडिक्कल और अभिनव मुकुंद के 17 इनिंग्स के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। उनकी इस उपलब्धि ने साउथ अफ्रीकी लीजेंड ग्रीम पोलक के लंबे समय से चले आ रहे विश्व रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली।

मोखाड़े की रिकॉर्ड तोड़ने वाली पारी 2025-26 विजय हजारे ट्रॉफी के कर्नाटक के खिलाफ एक हाई-प्रेशर सेमीफाइनल में आई। 281 रनों का पीछा करते हुए विदर्भ को शुरुआती झटका लगा जब ओपनर अथर्व तायडे सस्ते में आउट हो गए। मोखाड़े ने शुरुआती दबाव झेला, पहले ध्रुव शौरी के साथ 99 रन की पार्टनरशिप करके चेज को संभाला, जिन्होंने 47 रन बनाए। फिर उन्होंने आर समर्थ के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए मैच जीतने वाली 147 रन की पार्टनरशिप की।

समर्थ ने 76 रन बनाए, जबकि मोखाड़े ने पारी को संभाला, भले ही ऐंठन की वजह से वह धीमे पड़ रहे थे। कर्नाटक ने पहले बैटिंग करने का फैसला करके 280 रन बनाए थे। उनकी इनिंग में विदर्भ को शुरुआती ब्रेकथ्रू मिले, क्योंकि दोनों ओपनर, मयंक अग्रवाल और पडिक्कल, पहले 10 ओवर के अंदर आउट हो गए। करुण नायर और ध्रुव प्रभाकर के बीच 54 रन की पार्टनरशिप ने कुछ ऑर्डर वापस लाया, इसके बाद करुण नायर और केएल श्रीजीत के बीच 113 रन की पार्टनरशिप हुई।

दोनों ने फिफ्टी पूरी की, लेकिन कर्नाटक ने आखिरी ओवरों में मोमेंटम खो दिया। विदर्भ के बॉलर दर्शन नलकांडे ने बॉल से कमाल किया, उन्होंने 48 रन देकर 5 विकेट लिए। इस सीज़न में घरेलू टूर्नामेंट में मोखाड़े का लगातार अच्छा प्रदर्शन शानदार रहा है। रणजी ट्रॉफी के पहले लेग में उन्होंने 7 इनिंग में 96.16 की एवरेज से 577 रन बनाए। वह 2025-26 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 157.25 की स्ट्राइक रेट से 206 रन बनाकर विदर्भ के चार्ट में टॉप पर रहे और विजय हजारे ट्रॉफी में नौ इनिंग में 97.62 की एवरेज से 781 रन बनाकर अपना दबदबा बनाए रखा। इन टूर्नामेंट में, मोखाड़े ने आठ सेंचुरी और पांच हाफ-सेंचुरी लगाई हैं।

भारत ने अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट में जीत से शुरुआत की, पहले ही मैच में यूएसए को 6 विकेट से हराया

बुलवायो। भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेले जा रहे अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट में जीत के साथ शुरुआत की है। आयुष म्हात्रे की कप्तानी में भारतीय टीम ने अपने पहले ही मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) को 6 विकेट से हरा दिया। बारिश से बाधिम इस मैच में अमेरिकी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 107 रन बनाये। इसके बाद भारतीय टीम को जीत के लिए 37 ओवरों में 96 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला। जो भारतीय टीम ने 17.2 ओवर में ही 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। अब भारतीय टीम शनिवार को बांग्लादेश से खेलेगी। वहीं भारत के अलावा वेस्टइंडीज, स्कॉटलैंड और जिम्बाब्वे की टीमें भी जीत के साथ ही 2-2 अंक हासिल करने में सफल रही हैं। वेस्टइंडीज अंडर-19 टीम ने तंजानिया को हराया। वहीं जिम्बाब्वे और स्कॉटलैंड का मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया।

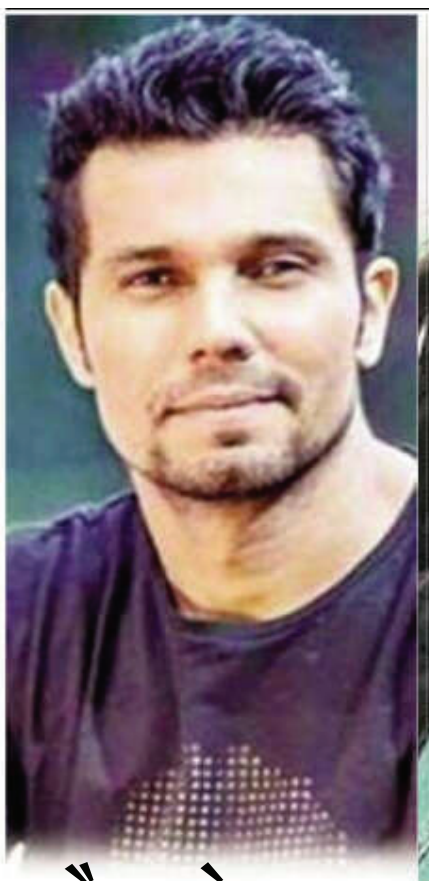

ग्लैमर से ज्यादा कंटेंट को अहमियत देते हैं रणदीप हुड्डा

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा हमेशा अपने जड़ों से जुड़े रहने और अपनी संस्कृति को अपनाने पर जोर देते हैं। वह उन कलाकारों में से हैं जो ग्लैमर से ज्यादा कंटेंट को अहमियत देते हैं। उनका मानना है कि भाषा, संस्कृति और जड़ें किसी भी व्यक्ति के लिए कोई रोक नहीं हैं, बल्कि ये उसकी ताकत और पहचान बनाती हैं।

इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि जब हम अपने मूल्यों और संस्कृति को समझते हैं और उन्हें अपनाते हैं, तो हमारे सोचने का नजरिया और दुनिया को देखने का तरीका भी बदल जाता है। रणदीप हुड्डा अब उन कहानियों से जुड़ रहे हैं जो हरियाणवी, राजस्थानी और भोजपुरी संस्कृति को सामने लाती हैं।

रणदीप हुड्डा ने कहा कि मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं जो दिखावटी न हों, बल्कि जिंदगी की सच्चाई को ईमानदारी से सामने रखें। आज के दौर में जब सब कुछ तेज और चमकदार होता जा रहा है, तब सिनेमा का काम लोगों को ठहरकर सोचने का मौका देना भी है। गांव, मिट्टी, रिश्ते और संघर्ष से निकली कहानियां दर्शकों के दिल में ज्यादा देर तक रहती हैं। ऐसी फिल्मों में काम करना एक अभिनेता को और बेहतर बनाता है, क्योंकि यहां अभिनय के साथ-साथ संवेदनशीलता भी जरूरी होती है। उन्होंने कहा, मैं अपने करियर में संख्या से ज्यादा गुणवत्ता पर ध्यान दे रहा हूं। हर फिल्म मेरे लिए एक सीख होती है, जो न सिर्फ एक कलाकार, बल्कि एक इंसान के तौर पर भी मुझे आगे बढ़ाती है। जब मैं अपनी जड़ों से जुड़ी कहानियों का हिस्सा बनता हूं तो दर्शक भी खुद को उस कहानी में देख पाते हैं। बातचीत के दौरान रणदीप हुड्डा ने कहा, सिनेमा समाज को आईना दिखाने का काम करता है। अगर फिल्में लोगों को अपनी पहचान, संस्कृति और मूल्यों से जोड़ने में सफल होती हैं, तो वही सिनेमा की असली जीत है। यही सोच मुझे बार-बार ऐसी कहानियों की ओर खींचती है, जो सरल होते हुए भी गहरी छाप छोड़ जाती हैं।

कैसे शख्स से शादी करना चाहती थीं तारा सुतारिया?

ब्रेकअप की खबरों, अफवाहों के बीच तारा सुतारिया का एक पुराना इंटरव्यू चर्चा में आ गया है। इस इंटरव्यू में वह बता रही हैं कि उन्हें कैसा लाइफपार्टनर चाहिए? वह अपने पार्टनर में क्या-क्या क्वालिटीज देखती हैं।

तारा सुतारिया ने रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में अपने लाइफपार्टनर को लेकर बात की थी। यह तब की बात है, जब वीर पहाड़िया के साथ उनके रिलेशनशिप में होने की अफवाहें उड़ी थीं। लेकिन रिलेशनशिप को दोनों ने कंफर्म नहीं किया था। तारा से पॉडकास्ट में पूछा गया था कि क्या वह विदेशी व्यक्ति से शादी करेंगी? इस पर तारा ने जवाब दिया था, 'मुझे नहीं लगता कि ऐसा होगा। मैं बहुत देसी इंसान हूं। मुझे अपने यहां का देसीपन पसंद है। हमारे यहां एक खास तरह का चिल-आउट माहौल होता है। यहां रहने का एक खास तरीका है। मुझे यह सबकुछ पसंद है। मुझे सादगी चाहिए और कंफर्ट चाहिए।'

पार्टनर में चाहिए किस तरह की क्वालिटी?

तारा सुतारिया पॉडकास्ट में आगे कहती हैं, 'मेरे पार्टनर को भी पता होना चाहिए कि वह कौन है? मुझे लगता है कि अगर आपको पता है कि आप कौन हैं? तो बाकी सबकुछ अपने आप ठीक हो जाता है। सेल्फ अवेयरनेस बहुत जरूरी है।'

तारा सुतारिया के ब्रेकअप की अटकलों के पीछे क्या कारण है?

कुछ दिन पहले सिंगर एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में तारा सुतारिया पहुंची थीं, उनके बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया भी साथ थे। कॉन्सर्ट के दौरान एपी ढिल्लों ने तारा सुतारिया को मंच पर बुलाया। इस दौरान दोनों के बीच की बॉन्डिंग ने सभी को हैरान कर दिया। स्टेज पर तारा, एपी ढिल्लों के साथ मंच पर थीं और सिंगर ने उन्हें किस कर लिया। इसके बाद जिस तरह से वीर पहाड़िया का रिएक्शन कैमरे में कैद हुआ, उसने हंगामा मचा दिया। गौरतलब है कि तारा और वीर ने इसी साल अगस्त में अपने रिश्ते को पब्लिक किया था। इसके बाद से दोनों अक्सर साथ नजर आते रहे हैं, दोनों के वीडियोज भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं। इंस्टाग्राम पर भी दोनों साथ में फोटो पोस्ट करते थे। लेकिन अब इनके ब्रेकअप की खबरें सामने आ रही हैं। जिसके पीछे सोशल मीडिया यूजर्स एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई घटना को जिम्मेदार मान रहे हैं। वैसे तारा सुतारिया ने एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई बातों को वायरल करवाने के पीछे नेगेटिव पीआर को जिम्मेदार माना था।

करियर फंट पर क्या कर रही हैं तारा सुतारिया?

तारा सुतारिया करियर फंट को लेकर भी चर्चा में हैं। जल्द ही वह साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक में नजर आएंगी। इस फिल्म से उनका लुक भी सामने आ चुका है। टॉक्सिक 19 मार्च को रिलीज होगी, इसकी टक्की सिनेमाघरों में फिल्म धुरंधर 2 से है।

हैप्पी पटेल की रिलीज से पहले इमरान खान को सता रही है इस बात की चिंता

इमरान खान लंबे समय बाद बॉलीवुड में वापसी करने वाले हैं। इमरान कॉमेडियन वीर दास की पहली डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म हैप्पी पटेल-खतरनाक जासूस से बॉलीवुड में वापसी कर रहे हैं। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है। इसी फिल्म को लेकर आमिर खान के भांजे इमरान खान ने अपने एक डर से पर्दा उठाया है।

इमरान को किस बात का है डर?

इमरान खान भी इस फिल्म में एक छोटे लेकिन मजेदार कैमियो रोल में दिखेंगे। यह उनकी 2015 की फिल्म कट्टी बट्टी के बाद लगभग 10 से 11 साल बाद बड़ी स्क्रीन पर वापसी है। इमरान ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनका यह रोल स्नहस्ख (कुछ छूट जाने का डर) की वजह से हुआ। वीर दास ने भी हाल ही में बताया कि हैप्पी पटेल को सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिल गया है। यानी यह फिल्म सिर्फ 18 साल से ऊपर के लोगों के लिए है। फिल्म 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

यह साल की शुरुआत में एक धमाकेदार हंसी-मजाक और मनोरंजन लेकर आ रही है। इस फिल्म में वीर दास के साथ मोना सिंह, मिथिला पलकर, और शरिब हाशमी जैसे कलाकार भी हैं। इमरान खान का कैमियो इसे और भी खास बना देगा।

जब स्क्रिप्ट की बात आती है तो मैं बहुत लालची हूं

मशहूर डायरेक्टर प्रियदर्शन की बेटी और लोका चैप्टर 1 के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन के बारे में अफवाह है कि वह रणवीर सिंह के साथ फिल्म प्रलय से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। इस चर्चा के बीच, उन्होंने उन बॉलीवुड ऑफर्स के बारे में भी बात की जो उन्हें मिल रहे हैं। बातचीत में कल्याणी प्रियदर्शन ने कहा, मुझे नहीं पता कि इसे कैसे समझाऊं, लेकिन अच्छी कहानियां हमेशा मुझे मिल ही जाती हैं, चाहे भाषा कोई भी हो। मैंने हमेशा कहा है कि जब स्क्रिप्ट की बात आती है तो मैं बहुत लालची एक्ट्रेस हूं। अगर कोई अच्छी स्क्रिप्ट है, चाहे वह किसी भी भाषा में हो, चाहे वह मराठी, हिंदी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु या मलयालम हो, मुझे वह चाहिए। लोका चैप्टर 1 एक मलयालम भाषा की सुपरहीरो फिल्म है, जो 28 अगस्त 2025 को रिलीज हुई। इस फिल्म के निर्देशक डोमिनिक अरुण हैं। इसके निर्माता दुलकर सलमान हैं। इसमें कल्याणी प्रियदर्शन के अलावा अरुण कुरियन, चंदू सलीमकुमार, निशांत सागर, रघुनाथ पलेरी, विजय राघवन, निथ्या श्री और सारथ सभा के साथ नसलेन और सैंडी ने अभिनय किया है। कल्याणी ने हिंदी फिल्मों का भी हिस्सा बनने की इच्छा जताई, और इस बात पर जोर दिया कि उनके लिए हमेशा स्क्रिप्ट और अच्छी कहानियां ही सबसे जरूरी हैं। जब कल्याणी से पूछा गया कि लोका चैप्टर 2 की सफलता के बाद हिंदी फिल्मों के ऑफर बढ़े हैं या नहीं, तो उन्होंने कहा यह नहीं कह सकती कि ऑफर बढ़े हैं या कम हुए हैं, लेकिन मौके हमेशा से रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह ऐसी इंसान हैं जो किसी भी फिल्म को अपना समय पूरी लगन से देना पसंद करती हैं।

फिल्म ओह माय गॉड 3 में देवी का किरदार प्ले करेंगी रानी

लोकप्रिय फिल्म फ्रैंचाइज ओह माय गॉड का जल्द ही तीसरा पार्ट आने वाला है। हाल ही में खबर आई थी कि फिल्म में रानी मुखर्जी की दमदार एंट्री हो रही है और इस बार वो अक्षय कुमार के साथ मिलकर कहानी में बड़ा धमाका करेंगी, लेकिन अब नया अपडेट सामने आया है। दरअसल, रानी के जुड़ते ही फिल्म की कहानी का पूरा रुख बदल गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... रानी के आने के बाद फिल्म की कहानी में बड़ा बदलाव किया गया है। स्क्रिप्ट का फोकस अब रानी के किरदार पर ज्यादा होगा, जबकि फ्रैंचाइज की पिछली दोनों फिल्मों के हीरो रहे अक्षय कुमार की भूमिका को सिर्फ कैमियो तक सीमित कर दिया गया है यानी तीसरी किस्त में अक्षय बस मेहमान बनकर रह गए हैं।

बिग बॉस मराठी के छठे सीजन में दिखाई देंगे एक्टर श्रेयस तलपदे

कलर्स टीवी के मशहूर रियलिटी शो बिग बॉस 19 का फिनाले 7 दिसंबर 2025 को हो चुका है। इसके बाद अब दर्शक बिग बॉस मराठी के छठे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस सीजन को रितेश देशमुख होस्ट करते नजर आएंगे। शो की स्ट्रीमिंग 11 जनवरी से शुरू होने जा रही है, लेकिन इससे पहले ही शो से जुड़ा एक दिलचस्प अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक... श्रेयस तलपदे इस बार बिग बॉस मराठी 6 का हिस्सा बन सकते हैं। खास बात यह है कि वह शो में मेहमान नहीं, बल्कि प्रतियोगी के रूप में घर में एंट्री कर सकते हैं। अगर यह खबर सही साबित होती है, तो यह उनका पहला बड़ा रियलिटी शो होगा।

होमबाउंड मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, एक इमोशनल सफर है

फिल्म होमबाउंड अकादमी पुरस्कारों के 98 साल के इतिहास में इस श्रेणी तक पहुंचने वाली पांचवीं भारतीय फिल्म बन गई है। यह उपलब्धि एक बार फिर दिखाती है कि इंडियन कहानियों की भावनाएं और सच्चाई अब ग्लोबल मंचों पर लोगों तक पहुंच रही हैं।

इस बड़ी उपलब्धि के साथ अभिनेता विशाल जेठवा लॉस एंजेलिस पहुंच चुके हैं, जहां से फिल्म के इंटरनेशनल अवॉर्ड कैंपेन की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा, 'नए साल की शुरुआत इससे ज्यादा खास और इमोशनल नहीं हो सकती थी। इस फिल्म के ऑस्कर जर्नी के लिए लॉस एंजेलिस आना मेरे लिए किसी सपने जैसा है। सच कहूं तो मैं अब भी यह समझने की कोशिश कर रहा हूं कि यह सब वाकई मेरे साथ हो रहा है। यह फिल्म मेरे लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं रही, इसने मुझे एक एक्टर और एक इंसान दोनों रूपों में बहुत कुछ दिया है।'

'नीरज सर ने मुझे खुद को नए सिरे से खोजने का मौका दिया'

अपने डायरेक्टर नीरज घयवान के साथ काम करने के अनुभव को विशाल ने अपने करियर का सबसे अहम पड़ाव बताया। उन्होंने कहा, 'नीरज सर के साथ काम करना मेरे लिए जिंदगी बदल देने वाला अनुभव रहा। उनकी संवेदनशीलता, ईमानदारी और कहानी को देखने का नजरिया मुझे इमोशंस की उन परतों तक ले गया, जहां तक मैं शायद खुद भी पहले कभी नहीं पहुंच पाया था। उन्होंने मुझे खुद को तोड़ने, समझने और फिर एक बेहतर कलाकार के रूप में दोबारा गढ़ने का मौका दिया। मैं उनका हमेशा इस मौके के लिए आभारी रहूंगा।'

'ईशान और पूरी टीम के साथ यह सफर और भी खास हो गया' अपने सह-कलाकार ईशान खट्टर और पूरी टीम के बारे में बात करते हुए विशाल की आवाज में गर्व और अपनापन साफ झलकता है। उन्होंने कहा, 'ईशान और पूरी टीम के साथ इस सफर को साझा करना इस उपलब्धि को मेरे लिए और भी खास बना देता है। हम सबने इस फिल्म में दिल से मेहनत की है। साथ में सीखना, गिरना, संभलना और आज यहां तक पहुंचना अपने आप में बहुत इमोशनल एक्सपीरियंस रहा है। इस स्तर पर एक-दूसरे के साथ खड़े होकर फिल्म का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात है।'

'यह फिल्म मुझे याद दिलाती है कि मैं अभिनेता क्यों बनना चाहता था'?

अपनी बात को बेहद आत्मीय अंदाज में खत्म करते हुए विशाल कहते हैं, 'आज यहां खड़े होकर अपने सिनेमा और अपनी कहानी का प्रतिनिधित्व करना मुझे फिर से याद दिलाता है कि मैं एक्टर क्यों बनना चाहता था। यह मेरी पहली फिल्म है, जिसे इस तरह की इंटरनेशनल पहचान मिली है और शायद इसी वजह से यह मेरे दिल के बेहद करीब है। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म अलग-अलग देशों और संस्कृतियों के ऑडियंस से भी उसी तरह जुड़ेगी, जैसे शूटिंग के दौरान यह हम सब से जुड़ी थी।'

लॉस एंजेलिस में इंटरनेशनल ऑडियंस तक पहुंचेगी फिल्म की कहानी

लॉस एंजेलिस में विशाल जेठवा, ईशान खट्टर और निर्देशक नीरज घयवान मिलकर फिल्म का प्रमोशन करेंगे। यहां फिल्म की खास स्क्रीनिंग होगी और अकादमी के मेंबर्स से मुलाकात व बातचीत के कार्यक्रम रखे जाएंगे। इसका उद्देश्य फिल्म की की सच्ची और भावनात्मक कहानी को दुनिया के ऑडियंस तक पहुंचाना है। फिल्म को इसकी मजबूत कहानी और असरदार अभिनय के लिए पहले ही काफी सराहना मिल चुकी है।

चंडीगढ़ में गौशाला में करीब 50 गायों के क्षत-विक्षत शव मिलने से हड़कंप

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ में माखन माजरा इलाके के पशु अवशेष निस्तारण केंद्र में करीब 50 गायों के क्षत-विक्षत शव मिलने के बाद प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद ने सभी गौशालाओं में 24 घंटे सातों दिन सीसीटीवी निगरानी लागू करने और नियमित समीक्षा सुनिश्चित करने के आदेश दे दिए। पोस्टमॉर्टम और विस्तृत जांच के आदेश दिए गए हैं, जिनकी रिपोर्ट एक सप्ताह में आने की संभावना है। पुलिस ने थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत मामला दर्ज किया। माखन माजरा गौशाला प्रबंधन समिति की शिकायत में बताया गया कि गौवंश को पर्याप्त चारा, पानी, आश्रय और चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने के कारण कई जानवर मृत मिले है। 13 जनवरी को निरीक्षण के दौरान 50-60 मृत गायें मिलीं और निरीक्षण के समय किसी पशु चिकित्सक की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। मुख्य सचिव ने रायपुर कलां, औद्योगिक क्षेत्र और माखन माजरा की गौशालाओं का निरीक्षण कर और गौवंश एवं पशुओं की देखभाल, स्वच्छता और कल्याण संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि हर गौशाला में उचित आवास, नियमित भोजन और पेयजल सुनिश्चित करे। इंसिनरेटर की तकनीकी खराबी को तत्काल सुधारने का आदेश दिया। कर्मचारियों और पशु चिकित्सकों की पूरी जानकारी और ड्यूटी रोस्टर प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करने को कहा गया। घटना पर भाजपा नेता संजय टंडन ने 'चौंकाने वाला और अस्वीकार्य' बताया और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। गौ-रक्षा समूहों ने भी विरोध प्रदर्शन करते हुए मृत बछड़े का शव सड़क पर रखकर गोवध और पशु तस्करी के खिलाफ चेतावनी दी।

विष्णुपुर में पेट्रोल पंप पर बम विस्फोट में शामिल आरोपी गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। सुरक्षा बलों ने पिछले सप्ताह मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में एक पेट्रोल पंप पर हुए बम विस्फोट में शामिल होने के आरोप में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि 41 साल के आरोपी को गुरुवार को इम्फाल पश्चिम जिले के लैंफेल सना कीथेल इलाके से गिरफ्तार किया और उसके पास से भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद बरामद किया है। इससे पहले प्रतिबंधित कांगलेई यावोल कन्ना लुप (केवाईकेएल) के 35 साल के एक सदस्य को काकचिंग जिले के कोमनाओ माखा लीकाई इलाके से गिरफ्तार किया था। अधिकारी ने बताया कि 15 जनवरी को गिरफ्तार किया गया व्यक्ति बम विस्फोट के मुख्य आरोपी का सहयोगी है। 8 जनवरी की शाम को मोइरांग थाना लेइकाई इलाके में स्थित एलीडास पेट्रोल पंप पर बम फेंका गया। इस विस्फोट के बाद मणिपुर में घाटी के सभी इलाकों में स्थित पेट्रोल पंप स्टेशनों को तीन दिन के लिए बंद कर दिया गया था।

रापर क्षेत्र में फिर डोली धरती, खेगारंपर के पास 2.5 तीव्रता का भूकंप, लोगों में दहशत

कच्छ (एजेंसी)। गुजरात के सरहदी जिले कच्छ में एक बार फिर धरती के भीतर हलचल दर्ज की गई है। कच्छ के रापर तहसील के खेगारंपर गांव के पास आज तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप विज्ञान केंद्र (आईएसआर) के अनुसार, सुबह 5:47 बजे रिक्टर स्केल पर 2.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र रापर से लगभग 19 किलोमीटर दूर खेगारंपर के निकट बताया गया है। झटके महसूस होते ही आसपास के इलाकों में रहने वाले लोग घबराकर नींद से जाग गए और एहतियातन घरों से बाहर निकल आए। कुछ समय के लिए क्षेत्र में भय का माहौल बन गया। हालांकि भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है, लेकिन बार-बार आ रहे भूकंप के झटकों से स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ती जा रही है। उल्लेखनीय है कि बीते महीने 26 दिसंबर 2025 को रापर के गेडी गांव के पास 4.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। उस दौरान रापर के साथ-साथ भचाऊ और अंजार तक झटके महसूस किए गए थे। इसके बाद से क्षेत्र में छोटे-बड़े आफ्टरशॉक्स का सिलसिला लगातार जारी है, जिससे लोग सतर्क और चिंतित हैं।

चार मंजिला इमारत में लगी भीषण आग तो लोगों ने कूदकर बचाई जान, आसपास के घर खाली कराए गए

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में शुक्रवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब बसंत कुंज क्षेत्र में स्थित एक चार मंजिला अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते इमारत की तीन मंजिलें उसकी चपेट में आ गईं। आग की लपटों और घने धुएं से पूरी बिल्डिंग भर गई, जिससे अंदर मौजूद लोगों की जान पर बन आई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग लगते ही अपार्टमेंट में चीख-पुकार मच गई। धुआं इतना घना हो गया कि लोगों को बाहर निकलने का रास्ता तक दिखाई नहीं दे रहा था। जान बचाने के लिए कई लोग बालकनी और खिड़कियों से कूद पड़े। कुछ लोगों को आसपास के लोगों और दमकलकर्मियों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस दौरान इलाके में दहशत का माहौल बन गया। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया गया। दमकलकर्मी लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटे रहे। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) अंशु मित्तल ने मीडिया को बताया कि आग लगने के दौरान एक युवक बिल्डिंग के अंदर फंस गया था, जिसे दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उन्होंने बताया कि फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन कुछ लोगों को धुएं के कारण परेशानी हुई है। आग की भयावहता को देखते हुए एहतियातन आसपास के घरों को खाली करा लिया गया। पुलिस और प्रशासन की टीमें भी मौके पर मौजूद रहीं और स्थिति पर नजर बनाए रखा। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। शुरुआती आशंका शॉर्ट सर्किट की जताई जा रही है, हालांकि जांच के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएगा।

कोर्ट ने ममता बनर्जी को सिखाया सबक, बीजेपी बोली- अब विधानसभा चुनाव में भी हार तय

-आई-पेक रेड मामले में बंगाल सरकार को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। आई-पेक रेड मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद पश्चिम बंगाल का राजनीतिक गलियारा पूरी तरह से गरमा गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर रोक लगाए जाने और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी किए जाने के बाद भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अच्छा सबक सिखाया है और उनकी झूठ की राजनीति अब उजागर हो चुकी है।

बीजेपी विधायक पॉल ने आरोप लगाया, कि पिछले 15 वर्षों से टीएमसी सरकार और उससे पहले वाम दलों की सरकार ने रोहिंग्या, बांग्लादेशी घुसपैठियों और फर्जी मतदाताओं के सहारे चुनाव जीते। उन्होंने दावा किया कि इस बार

पश्चिम बंगाल में ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। पॉल के मुताबिक अब तक करीब 58 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए जा चुके हैं और आगे भी यह प्रक्रिया जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद की गरिमा को ठेस पहुंची है और अब सच्चाई जनता के सामने आ रही है।

दरअसल, गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने आई-पेक रेड मामले में बड़ा आदेश देते हुए ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर रोक लगा दी। इसके साथ ही कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और संबंधित पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट का कहना है कि कानून के शासन को बनाए रखने और केंद्रीय एजेंसियों को स्वतंत्र रूप से काम करने देने के लिए इस मामले की जांच जरूरी है।

ममता खुद भी चुनाव हारने वाली हैं: शहनवाज

भाजपा नेता सैयद शहनवाज हुसैन ने भी सीएम ममता बनर्जी पर हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को खुद पता है कि वह 2026 के विधानसभा चुनाव में बुरी तरह हारने वाली हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह राहुल गांधी और तेजस्वी यादव वोट चोरी का मुद्दा उठाकर माहौल बनाते रहे हैं, उसी तरह ममता बनर्जी भी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध कर रही हैं। शहनवाज हुसैन ने दावा किया कि 2026 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की हार तय है और पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत होगी।

यो यो हनी सिंह अश्लील कमेंट्स के बाद आए विवादों में तो मांगी माफी, जस्सी ने जाहिर की नाराजगी

लुधियाना (एजेंसी)। मशहूर सिंगर और रैपर यो यो हनी सिंह फिर विवादों में घिर गए हैं। दो दिन पहले दिल्ली में हुए एक कॉन्सर्ट के दौरान उन्होंने स्टेज से ठंड के बहाने अश्लील बातें कीं, जिससे युवाओं को अनुचित व्यवहार के लिए प्रोत्साहित करने का आरोप लगा। इस दौरान फैंस का वीडियो भी वायरल हुआ। इस घटना के बाद पंजाबी सिंगर

जसबीर जस्सी ने ट्वीट कर अपनी नाराजगी व्यक्त की। जस्सी ने कहा कि हनी सिंह ने सभी हदें पार कर दी हैं और उनकी माता-पिता व बहन से अपील की कि उन्हें रोकना चाहिए, नहीं तो यह आगे बढ़ सकता है और गलत संदेश जाएगा। विवाद बढ़ने पर हनी सिंह ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। हनी सिंह पहले भी गानों और स्टेज प्रदर्शन में अश्लील डांस और बोल को लेकर विवादों में रह चुके हैं। 2014 से 2018 तक वह म्यूजिक इंडस्ट्री से दूर रहे, जिसे उन्होंने डिप्रेशन, एंग्जाइटी और मानसिक परेशानियों से जोड़कर बताया था। कुछ दिन पहले ही हनी सिंह के एक पुराने गीत को लेकर जालंधर के भाजपा नेता ने डीजीपी को शिकायत दी थी, जिसमें उन्होंने गाने में अश्लीलता और बिकिनी गर्ल्स को लेकर कड़ी आपत्ति जताई थी। यह मामला हनी सिंह के विवादित प्रदर्शन और उनके सामाजिक प्रभाव पर एक बार फिर सवाल खड़ा करता है।

बीजेपी सरकार ने मतदाता सूचियों में हेराफेरी का जो षड्यंत्र रचा है, वह शर्मनाक: गहलोत

जयपुर (एजेंसी)। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने राजस्थान की बीजेपी सरकार पर प्रशासन का दुरुपयोग कर मतदाता सूचियों में हेराफेरी का षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया है। गहलोत ने कहा कि आज का दिन राजस्थान में लोकतंत्र के लिए काले अध्याय जैसा है, जिसने बीजेपी को बेनकाब कर दिया है। सत्ता के मद में चूर बीजेपी सरकार ने प्रशासन का दुरुपयोग कर मतदाता सूचियों में हेराफेरी का जो षड्यंत्र रचा है, वह शर्मनाक है।

पूर्व सीएम गहलोत ने दावा किया कि मतदाता सूची के एसआईआर प्रक्रिया के अंतिम दिन एक सुनियोजित साजिश के तहत निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों के जरिए बीएलओ पर दबाव डाला गया कि वे कांग्रेस विचारधारा वाले मतदाताओं के नाम काट दें। उन्होंने आरोप लगाया कि यहां तक कि फॉर्म-सात में पहले से डेटा भरकर बीएलओ को सौंपा गया, जो निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर प्रशासनिक अधिकारियों और बीएलओ ने इस लोकतंत्र की हत्या में शामिल होने से इनकार किया है, तो सत्ताधारी पार्टी के लोगों ने उन्हें तबादलों की धमकी दी है।

गहलोत ने कहा कि बीजेपी ने ऐसा दुस्साहस कर जनता और लोकतंत्र का अपमान किया है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र सरदारपुरा तक में ऐसा कुप्रयास किया गया है। मैंने इस संबंध में राज्य निर्वाचन आयुक्त नवीन महाजन से फोन पर बात कर जानकारी दी है और त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारियों से संवैधानिक मर्यादा का पालन करने की अपील की। गहलोत ने कहा कि मैं उन अधिकारियों को भी स्पष्ट शब्दों में आगाह करना चाहता हूं जो बीजेपी के दबाव में संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं। समय बदलते देर नहीं लगती। सरकारें आती-जाती रहेंगी, लेकिन यदि आपने नियम विरुद्ध कार्य किया तो कानून के दायरे में आपकी जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी और सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि संवैधानिक मर्यादा का पालन करें, अन्यथा परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें।

ऑपरेशन स्वदेश: ईरान से भारतीयों को एयरलिफ्ट कर स्वदेश ला रही सरकार

-पहली विशेष फ्लाइट तेहरान से दिल्ली आज आएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में जारी सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों और अस्थिर हालात को देखते हुए केंद्र सरकार ने वहां फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी को लेकर 'ऑपरेशन स्वदेश' शुरू कर दिया है। इस अभियान के तहत पहली विशेष फ्लाइट आज शुक्रवार को तेहरान से नई दिल्ली पहुंच रही है। विदेश मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा है, कि रेस्क्यू ऑपरेशन को चरणबद्ध तरीके से अंजाम दिया जाएगा।

ईरान में इस समय लगभग 10 हजार भारतीय नागरिक मौजूद हैं। इनमें छात्र, कारोबारी, तकनीकी विशेषज्ञ और अन्य पेशेवर शामिल हैं। इनमें से करीब 2500 से 3000 भारतीय छात्र हैं, जो मुख्य रूप से मेडिकल की पढ़ाई के लिए ईरान में रह रहे हैं। मौजूदा हालात को देखते हुए भारत सरकार ने अपने नागरिकों को ईरान की यात्रा से फिलहाल बचने की सलाह भी जारी की हुई है।

भारतीय छात्रों का रजिस्ट्रेशन हुआ पूरा

जम्मू और कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने एक बयान जारी करते हुए बताया है, कि ईरान में मौजूद सभी भारतीय छात्रों का

रजिस्ट्रेशन पूरा हो चुका है। भारतीय दूतावास ने छात्रों की व्यक्तिगत जानकारी और पासपोर्ट एकत्र कर लिए हैं। छात्रों के पहले बैच को रवानगी के लिए शुक्रवार सुबह 8 बजे तक तैयार रहने के निर्देश दिए गए। पहले बैच में गोलेस्तान यूनिवर्सिटी, शाहिद बहेश्ती यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज और तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज के छात्र शामिल होंगे।

नागरिकों से मंत्रालय की अपील

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एडवाइजरी में ईरान में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने पासपोर्ट, वीजा और अन्य जरूरी दस्तावेज हमेशा अपने पास रखें और किसी भी आपात स्थिति में भारतीय दूतावास से तुरंत संपर्क करें। मंत्रालय ने साफ किया है कि सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त उड़ानों की व्यवस्था की जाएगी। भारतीय दूतावास, तेहरान ने सहायता के लिए आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। नागरिक इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं- 989128109115, 989128109109, 989128109102 और 989932179359। इसके अलावा बताए गए ईमेल के जरिए भी मदद ली जा सकती है।

दूतावास ने यह भी अपील की है कि जो भारतीय नागरिक अभी तक पंजीकरण नहीं करा पाए हैं, वे तुरंत एमईए की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के जरिए रजिस्ट्रेशन कराएं। यदि इंटरनेट सेवाएं बाधित होने के कारण ईरान में मौजूद नागरिक पंजीकरण नहीं कर पा रहे हैं, तो भारत में उनके परिवार के सदस्य उनकी ओर से रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इसी के साथ ही केंद्र सरकार ने भरोसा दिलाया है कि 'ऑपरेशन स्वदेश' के तहत हर भारतीय की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जाएगी।

बीजेपी और चुनाव आयोग के कर्मचारियों के बीच बैठक क्यों? अभी आचार संहिता लागू है

-शिवसेना (यूबीटी) सांसद राउत के बयान से मुंबई के राजनीतिक हलकों में हलचल

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के बयान ने मुंबई के राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। राउत ने बीएमसी चुनावों की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव परिणामों के बीच जब शुरुआती रुझानों में बीजेपी समर्थित महायुति को बड़ी बढ़त मिलती दिखी, तब राउत ने मीडिया से बात करते हुए वोटिंग पैटर्न और वोटर लिस्ट को लेकर सत्तापक्ष पर तीखा हमला बोला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राउत ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि वे डरें नहीं, क्योंकि बीजेपी के नेतृत्व वाले महायुति ने बीएमसी चुनावों में बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। उन्होंने कहा कि मुंबई जैसे शहर में जो वोटिंग पैटर्न चल रहा है, वह एक गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि हजारों लोगों के नाम, जिन्होंने विधानसभा चुनावों में भी वोट दिया था, उन इलाकों से गायब हैं जहां शिवसेना (यूबीटी), मनसे या कांग्रेस हैं। ईवीएम मशीन ठीक से काम नहीं करती...चुनाव आयोग हमारी बात सुनने को तैयार नहीं है। कल, बीजेपी के

वरिष्ठ नेताओं और चुनाव आयोग के कर्मचारियों के बीच एक बैठक हुई, क्यों? आचार संहिता अभी भी लागू है।

उन्होंने कहा कि वोटिंग प्रतिशत आने से पहले ही एग्जिट पोल आ गए...बीजेपी ने अपनी जीत का जश्न मनाना शुरू कर दिया...हमने लोगों को भरोसा दिलाया है कि वे डरें नहीं...। मतगणना से मिल रहे शुरुआती रुझानों के मुताबिबक बीजेपी-शिवसेना महायुति गठबंधन लगभग 52 वार्डों में आगे चल रहा है, यह शुरुआती डेटा पोस्टल बैलेट की गिनती से मिल रहा है। एसईसी और बीएमसी के आधिकारिक आंकड़ों का इंतजार है। अब तक गिने गए पोस्टल बैलेट के मुताबिक बीजेपी 35 सीटों पर, शिवसेना 17 सीटों पर आगे है।

वहीं ठाकरे भाइयों के लिए अच्छी खबर नहीं है, क्योंकि शिवसेना (यूबीटी) 22 सीटों पर आगे बताई जा रही है। राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अब तक 8 सीटों पर आगे है। शुरुआती गिनती में कांग्रेस 4 सीटों पर आगे थी। राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने वोटिंग खत्म होने के बाद कहा था कि 29 नगर निगमों में लगभग 50 प्रतिशत वोटिंग हुई। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि मुंबई नगर निगम चुनावों में 52.94 प्रतिशत वोटिंग हुई, जो 2017 के पिछले चुनावों में 55.53 प्रतिशत से कम है।

बता दें बीएमसी जिसका सालाना बजट 74,400 करोड़ रुपए से ज्यादा है, उसमें चार साल की देरी के बाद हो रहे चुनावों में 227 सीटों के लिए 1,700 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। मुंबई को छोड़कर, बाकी शहरी निकायों में मल्टी-मेंबर वार्ड हैं। ये 2022 में शिवसेना में फूट के बाद पहले बीएमसी चुनाव थे, जब अब उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पार्टी के ज्यादातर विधायकों के साथ अलग हो गए और बीजेपी के साथ गठबंधन करके मुख्यमंत्री बने थे।

उत्तर भारत में ठंड-कोहरे का डबल अटैक! शीतलहर से भी अभी नहीं मिलेगी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत सहित देश के कई राज्यों में कड़ाके की ठंड ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिम उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा में अगले दो दिनों तक शीतलहर की स्थिति बनी रहेगी। इसके बाद ठंड का असर धीरे-धीरे कम होने की संभावना है।

मौसम विज्ञान विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार में अगले पांच दिनों तक सुबह और रात के समय घना से बहुत घना कोहरा छाया रहेगा। कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम हो सकती है, जिसका सीधा असर सड़क, रेल और हवाई यातायात पर पड़ेगा। सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम सकती है, वहीं कई ट्रेनों के देरी से चलने की आशंका भी जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के कुछ इलाकों में अगले दो दिनों तक कोल्ड डे की स्थिति बनी रह सकती है। 16 और

17 जनवरी को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और ओडिशा के अलग-अलग हिस्सों में शीतलहर का दौर जारी रहेगा। वहीं, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड में भी 16 जनवरी को ठंड का प्रकोप देखने को मिल सकता है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तराखंड में 17 जनवरी तक घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। इसके बाद 22 जनवरी तक पंजाब-हरियाणा-चंडीगढ़ और 20 जनवरी तक उत्तराखंड के अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा बना रह सकता है। पश्चिम उत्तर प्रदेश में 18 जनवरी तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 19 जनवरी तक कोहरे का असर रहेगा।

मनरेगा के बाद अब शिक्षा और खाद्य सुरक्षा कानून में बदलाव की तैयारी में जुटा केंद्र

-यूपीए सरकार के दो बड़े अधिकार कानूनों पर मोदी सरकार की नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार यूपीए सरकार के दौर में बने दो बड़े सामाजिक अधिकार कानूनों-शिक्षा का अधिकार (आरटीई) और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून में बदलाव की तैयारी में जुटी है। मनरेगा की जगह नया कानून लाने के बाद अब केंद्र का फोकस इन योजनाओं की प्रभावशीलता बढ़ाने और लाभ सही लोगों तक पहुंचाने पर है। सरकार का मानना है कि केवल किसी योजना को कानूनी अधिकार बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका ज़मीन पर सही तरीके से लागू होना भी उतना ही जरूरी है।

केंद्र सरकार से जुड़े सूत्रों का हवाला देते हुए मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है, कि शुरुआती तौर पर नियमों और प्रशासनिक आदेशों के जरिए सुधार करने की कोशिश की जाएगी। यदि इससे अपेक्षित नतीजे नहीं मिले, तो संसद में संशोधन या नया विधेयक लाने से भी इनकार नहीं किया गया है। इसके साथ ही सरकार इस बात पर भी विचार कर रही है कि आवास के अधिकार को भी कानूनी दर्जा दिया जाए। परामर्श प्रक्रिया से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मनमोहन सिंह सरकार के समय बनाए गए विकास से जुड़े अधिकार कानूनों में तीन बड़ी कमियां सामने आई हैं। पहली, इन कानूनों के बावजूद हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं पहुंच पाई। दूसरी, खाद्य सुरक्षा का लाभ सभी पात्र परिवारों तक नहीं पहुंच सका। और तीसरी, लाभार्थियों की पहचान और पंजीकरण की प्रक्रिया अधूरी रही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी योजनाओं में 100 प्रतिशत लाभार्थियों का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। सरकार चाहती है कि योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक, सही समय पर और पारदर्शी तरीके से पहुंचे। इसी सोच के तहत संसद के शीतकालीन सत्र में मनरेगा की जगह 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी वीबी- जी राम जी बिल पास किया गया था, जिसे दिसंबर 2025 में राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून का दर्जा मिला।

सरकार अब शिक्षा, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और आवास, इन पांच अहम क्षेत्रों को लेकर तीन प्रमुख लक्ष्यों पर आगे बढ़ रही है। पहला, योजनाओं की पूरी कवरेज के लिए समय-सीमा तय की जाए। दूसरा, डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए रियल टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो। तीसरा, हर लाभार्थी की पहचान और पंजीकरण के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जाए।

हालांकि, मनरेगा की जगह लाए गए नए कानून को लेकर विपक्ष ने कड़ा विरोध किया था। विपक्षी दलों का कहना है कि महात्मा गांधी का नाम हटाना केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि सामाजिक सोच पर असर डालने वाला कदम है। इसके बावजूद सरकार अपने एजेंडे पर आगे बढ़ती दिख रही है और अब शिक्षा व खाद्य सुरक्षा कानूनों में सुधार की दिशा में कदम तेज हो गए हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com